दैनिक

लद्दाख टुडे

Title Code: LDHIN00001 | वर्षः 02 अंकः 179 | जम्मू, कश्मीर, लेह, बुधवार 30 जुलाई 2025 | पृष्ठः 8 | मूल्य 2 रुपए

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को अद्यतन करने का कोई निर्णय नहीं : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को अद्यतन करने का कोई निर्णय नहीं लिया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जनगणना पर एक लिखित उत्तर में कहा, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को अद्यतन करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जनगणना कराने का इरादा अधिसूचित कर दिया गया है। मकान सूचीकरण और मकान जनगणना कराने की अवधि यथासमय अधिसूचित की जाएगी।

गृह मंत्रालय ने सदन को यह भी बताया कि 2027 की जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी, पहले चरण में मकान जनगणना और दूसरे चरण में जनसंख्या गणना, जनसांख्यिकी और जाति जनगणना होगी। राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा, भारत सरकार ने 16 जून, 2025 को राजपत्र में जनगणना कराने के अपने इरादे को अधिसूचित कर दिया है। जनगणना दो चरणों ■ शेष पेज 2...

संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने हीरानगर में चलाया तलाशी अभियान

लद्दाख टुडे ब्यूरो

कठुआ (सचिन खजुरिया)। जिला कठुआ के राजबाग थाना के अधिकार क्षेत्र भांबरवां क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया जोकि शाम तक जारी रहा।

जानकारी के अनुसार जिला कठुआ के राजबाग थाना अधिकार क्षेत्र के भांबरवां इलाके की निवासी सुनीता कुमारी ने बताया कि रात को कुछ काम के लिए घर से थोड़ी दूर गई कि अचानक उनकी नजर तीन संदिग्ध लोगों पर पड़ी। उन्होंने कयास लगाया कि शायद फसल को पानी देने वाले गांव के ही लोग होंगे। लेकिन रात के अंधेरे में पहचान नहीं हो पाई। इसी बीच सुनीता देवी ने जब गौर से देखा तो हथियारों के साथ तीन संदिग्ध व्यक्ति उन्हें नजर आए। उसके बाद सुनीता देवी डरकर वापस अपने घर की ओर लौट गई और अपने पति को आप बीती ■ शेष पेज 2...

------ जम्मू ---------
अधिकतम – 32°C
न्यूनतम – 26°C
------- श्रीनगर -------
अधिकतम – 26°C
न्यूनतम – 18°C

हमारी सेना ने आतंकी अड्डे को धुआं-धुआं कर दिया: पीएम मोदी

किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा, लेकिन उन्होंने इस बात पर अफ़सोस जताया कि देश को पूरी दुनिया का समर्थन मिला, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी देश के सैनिकों के पराक्रम के सामने खड़े नहीं हो सके।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ठीक संबोधन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के सवालों पर पलटवार किया। निचले सदन में पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दो दिवसीय बहस का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश ने भारत को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने से नहीं रोका। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में जो क्रूर घटना घटी, जिस प्रकार आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों से उनका धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी, वह क्रूरता की पराकाष्ठा थी। यह भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सोचा-समझा प्रयास था। यह भारत में दंगे फैलाने की एक साजिश थी। आज मैं देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकजुटता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। हमारी सेना ने आतंकी अड्डे को धुआं-धुआं कर दिया।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी विपक्ष द्वारा बार-बार पूछे जा रहे सवालों के बीच आई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा क्यों की। मोदी ने सदन को बताया कि 9 मई की रात को, अमेरिकी उपराष्ट्रपति (जेडी वेंस) ने मुझसे 3-4 बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन मै सशस्त्र बलों के साथ बैठकों में व्यस्त था।

उन्होंने कहा, जब मैंने कॉल का जवाब दिया, तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने मुझे पाकिस्तान की ओर से एक बड़े हमले की चेतावनी दी। मैंने उनसे कहा कि अगर पाकिस्तान भारत पर हमला करता है, तो हमारा हमला कहीं ज़्यादा बड़ा होगा क्योंकि हम गोलियों का जवाब तोपों से देंगे। मोदी ने ज़ोर देकर कहा कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन रोकने के लिए नहीं कहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मै 22 अप्रैल को विदेश में था। मै तुरंत लौट आया। और वापस आने के तुरंत बाद, मैंने एक बैठक बुलाई और हमने स्पष्ट निर्देश दिए कि आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देना है और यह हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। ■ शेष पेज 2...

पहलगाम हमले के आतंकवादियों के खात्मे पर बोले फारूक अब्दुल्लाः आतंकवाद कभी सफल नहीं होगा

लद्दाख टुडे ब्यूरो

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के दोषियों का खात्मा एक सबक है कि आतंकवाद सफल नहीं होगा। अब्दुल्ला यहाँ एक समारोह से इतर पत्रकारों से बात कर रहे थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने उन्हें नहीं देखा है और न ही मै जानता हूँ कि वे कौन है। केवल वे ही लोग उन्हें पहचान सकते है जिन्होंने उन्हें देखा है। अगर वे मारे गए है, तो यह अच्छी बात है। उन्हें एक सबक मिल गया है कि आतंकवाद

कभी सफल नहीं होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में घोषणा की कि पहलगाम नरसंहार को अंजाम देने वाले तीन आतंकवादियों को श्रीनगर के पास सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान ■ शेष पेज 2...

लेह लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने श्री माता वैष्णो देवी के दरबार में माथा टेका

लद्दाख टुडे ब्यूरो

कटरा (रोहित शर्मा)। श्री माता वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए लद्दाख के उपराज्यपाल कटरा पहुंचे। जहां भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। उनके आगमन पर स्थानीय प्रशासन के अधिकारीगण और अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर श्री माता वैष्णो देवी विधानसभा क्षेत्र के विधायक बलदेव राज शर्मा, जिला रियासी के ■ शेष पेज 2...

मुंबई आतंकी हमला, सोनिया का फूट-फूटकर रोना

अमित शाह के आरोपों पर प्रियंका ने दिया जवाब

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने यूपीए सरकार और सोनिया गांधी पर जमकर निशाना साधा। इसके बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अमित शाह के आरोपों पर पलटवार किया। साथ ही पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार को भी घेरा।

प्रियंका ने केंद्र सरकार से सवाल करते हुए कहा कि, पहलगाम आतंकी हमला कैसे और क्यों हुआ? सरकार कह रही थी कश्मीर में सब अमन

चौन है। वह लगातार प्रचार कर रही थी कश्मीर में सब कुछ शांत है। आप आइए और यहां पर्यटन को बढ़ाइए। वहां पर इस सरकार ने पर्यटकों को मरने के लिए छोड़ दिया।

कांग्रेस नेता ने सरकार से सवाल किया कि, क्या सरकार को मालूम नहीं था यहां रोज 1000– ■ शेष पेज 2...

अमरनाथ यात्रा के लिए 1400 से ज़्यादा तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना

लद्दाख टुडे ब्यूरो

जम्मू। 1490 तीर्थयात्रियों का 27वाँ जत्था मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊँचे अमरनाथ गुफा मंदिर के दोनों आधार शिविरों के लिए जम्मू से रवाना हुआ।

3 जुलाई को घाटी से शुरू हुई 38 दिवसीय तीर्थयात्रा के बाद से 3.86 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में भगवान शिव के श्हिम शिव लिंगश के ■ शेष पेज 2...

पुलिस उपराज्यपाल के मंत्र का पालन कर रही है : डीजीपी

लद्दाख टुडे ब्यूरो

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने मंगलवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा निर्धारित ष्निर्दोष को न छुओ और दोषियों को न बख्शोष के मूल सिद्धांत द्वारा निर्देशित न्याय के प्रति अपने बल की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रभात ने कहा कि सरकार द्वारा बनाए गए नए कानून धीरे-धीरे जमीनी स्तर पर लागू हो रहे है और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है।

उन्होंने यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, उपराज्यपाल का एक मंत्र (मार्गदर्शक सिद्धांत) है, निर्दोष को न छुओ और दोषियों को न बख्शो। यह जम्मू-कश्मीर पुलिस के कर्तव्य को परिभाषित करता है। यही हमारा दृष्टिकोण है और यह हमारा निरंतर प्रयास है। डीजीपी ने मुश्किल ■ शेष पेज 2...

अखंड भारत भारतीय सभ्यता का प्रमुख सिद्धांतः जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि श्अखंड भारतश केवल एक नारा नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यतागत अवधारणा में गहराई से निहित है।

उन्होंने कहा कि इस परिकल्पना को केवल त्याग, समर्पण और वीरता के मूल्यों से ही साकार किया जा सकता है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि डॉ. सिंह कारगिल

विजय दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली विश्वविद्यालय के कन्वेंशन हॉल में श्एक भारत, श्रेष्ठ भारत–अखंड भारत नामक एक ■ शेष पेज 2...

अमित शाह ने पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू की नीतियों पर उठा दिए सवाल

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने विपक्ष पर करारा अटैक किया। शाह ने कहा कि मै एक बात कहना चाहता हूं कि ये सारी आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान है और पाकिस्तान कांग्रेस पार्टी की भूल है। इन्होंने विभाजन को स्वीकार करके देश को तोड़ा है।शाह ने कहा कि हम डोजियर नहीं जवाब देते है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। पाकिस्तान के डीजीएमओ

ने सीजफायर के लिए पहल करना पड़ा। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर नेहरू पर करारा अटैक किया।

अमित शाह ने कहा कि मै इसी देश के इतिहास के कुछ घटनाएं ■ शेष पेज 2...

टाइगर, इंदिरा, पायलट, ट्रंप और मोदी... लोकसभा में राहुल गांधी ने सरकार पर जमकर हमला बोला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि पहलगाम में एक क्रूर हमला, एक निर्दयी हमला, स्पष्ट रूप से पाकिस्तानी सरकार द्वारा आयोजित और सुनियोजित हमला था। युवाओं और बुजुर्गों की निर्मम हत्या कर दी गई। हम सबने, इस सदन के प्रत्येक व्यक्ति ने, मिलकर पाकिस्तान की निंदा की है। उन्होंने कहा

कि हम इस मामले में सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़े रहे। लेकिन इस मामले में राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी होती है। टाइगर को आजादी देनी ■ शेष पेज 2...

ऑपरेशन सिंदूर पर मात्र विराम है पूर्ण विराम नहीं : राजनाथ

नई दिल्ली। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि अभी कल ही, लोकसभा में अपने संबोधन के दौरान, मैंने इस बात का जिक्र किया था, कि लोकतंत्र में जनता द्वारा विपक्ष को यह दायित्व सौंपा जाता है, कि वह सरकार से उचित प्रश्न पूछे। खैर विपक्ष ने जो प्रश्न पूछे, उनका जिक्र मैं कल कर चुका हूं। आज मै एक और बात आपसे कहना चाहूंगा, कि लोकतंत्र में जनता द्वारा विपक्ष को, प्रश्न पूछने के अलावा, एक और

जिम्मेदारी दी जाती है। और वह जिम्मेदारी है, कि अगर विपक्ष को, सत्ता पक्ष की कोई नीति या कारवाई अनुचित प्रतीत हो, तो उसके स्थान पर एक वैकल्पिक नीति या कार्य योजना का प्रस्ताव करना है।

रक्षा ■ शेष पेज 2...

1962 के बाद से चीन ने भारतीय क्षेत्र में एक इंच भी घुसपैठ नहीं की है : रिजिजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि 1962 के युद्ध के बाद से चीन ने भारतीय क्षेत्र में एक इंच भी घुसपैठ नहीं की है और न ही अरुणाचल प्रदेश में कोई अतिरिक्त भूमि पर कब्जा किया है।

रिजिजू ने यह बात ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ■ शेष पेज 2...

विशेषाधिकार समिति की श्रीनगर में बैठक, विधायकों के संवैधानिक अधिकारों और प्रोटोकॉल पर विचार-विमर्श

लद्दाख टुडे ब्यूरो

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने आज श्रीनगर स्थित विधानसभा परिसर में विधायकों के संवैधानिक विशेषाधिकारों और अधिकारों से संबंधित मामलों पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाई।

इस बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष निज़ामुद्दीन भट ने की और इसमें समिति के सदस्य विक्रम रंधावा, जावेद रियाज़ (बेदार), सलमान सागर, शेख अहसान अहमद (परदेसी), रियाज़ ■ शेष पेज 2...

मुझे बोलने दो, डेढ़ लाख देकर आया हूंः इंजीनियर राशिद

नई दिल्ली। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर जोरदार चर्चा चल रही है। इसमें पक्ष और विपक्ष के नेता ने इस मुद्दे पर अपनी रख रह रहे है। इस दौरान मंगलवार को एक अजब वाकया हुआ। शिवसेना के सांसद और एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे जैसे ही अपनी बात रखने जा रहे थे, तभी बारामूला लोकसभा सीट से सांसद इंजीनियर राशिद ने चिल्लाना शुरू कर दिया। लोकसभा की सीढ़ियों पर खड़े होकर कश्मीरी सांसद ने उन्हें

बोलने का मौका दिए जाने की गुहार की। दरअसल बारामूला लोकसभा सीट से सांसद इंजीनियर ■ शेष पेज 2...

एनआईटी श्रीनगर के संकाय सदस्य डॉ. मोइज़ खान को राष्ट्रीय भू-स्थानिक उभरते संकाय फेलो पुरस्कार से किया गया सम्मानित

लद्दाख टुडे ब्यूरो

श्रीनगर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), श्रीनगर के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद मोइज़ खान को राष्ट्रीय भू-स्थानिक उभरते संकाय फेलो (अंतर्विषयक-निर्णायक मंडल) पुरस्कार 2025 प्रदान किया है। यह पुरस्कार आईआईटी बॉम्बे के विक्टर मेनेजेस कन्वेंशन सेंटर के प्रो. बी. नाग सभागार में आयोजित ओपन-सोर्स

जीआईएस दिवस समारोह के दौरान प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आईसीटी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (एनएमईआईसीटी) के अंतर्गत श्फ्रेम (शिक्षा के लिए निःशुल्क/ ■ शेष पेज 2...

Created by Universal Document Converter

शेष पेज 1 से

राष्ट्रीय जनसंख्या ...

में आयोजित की जाएगी। पहले चरण, यानी मकान सूचीकरण और मकान जनगणना में, प्रत्येक परिवार की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा।

राज्य मंत्री राय ने कहा, इसके बाद, दूसरे चरण, यानी जनसंख्या गणना में, प्रत्येक घर के प्रत्येक व्यक्ति का जनसांख्यिकीय, सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरण एकत्र किया जाएगा। जनगणना मे जाति गणना भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि 1 मार्च, 2027 जनगणना के लिए संदर्भ तिथि होगी, जबकि लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड मे जनगणना के लिए 1 अक्टूबर, 2026 को संदर्भ तिथि के रूप मे तय किया गया है।

हमारी सेना ने...

सेना को कार्रवाई करने की पूरी छूट दी गई। और यह भी कहा गया कि सेना को यह तय करना चाहिए कि कब, कहां, कैसे और किस तरीके से कार्रवाई करनी है। ये सारी बातें उस बैठक में स्पष्ट रूप से कही गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत द्वारा हमला किए गए पाकिस्तानी एयरबेस अभी भी आईसीयू में हैं और 22 अप्रैल के आतंकी हमले के मास्टरमाइंडों की रातों की नींद उड़ी हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया के किसी भी देश ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की किसी भी कार्रवाई को नहीं रोका है। संयुक्त राष्ट्र में केवल तीन देशो ने पाकिस्तान के पक्ष में बात की।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत को पूरी दुनिया का समर्थन मिला, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस ने हमारे सैनिकों के पराक्रम का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक लाभ के लिए मुझे निशाना बनाया, लेकिन उनके तुच्छ बयानों ने हमारे बहादुर सैनिकों का हौसला तोड़ दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के परमाणु झांसे का पर्दाफाश किया और दुनिया को दिखाया कि हम परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेंगे।

उन्होंने कहा, हमारे अभियान सिंदूर से लेकर सिंधु (सिंधु जल संधि) तक है... पाकिस्तान जानता है कि उसे किसी भी दुस्साहस की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पहले भी आतंकी हमले हुए थे और हमलों के मास्टरमाइंड जानते थे कि कुछ नहीं होगा, लेकिन अब उन्हें पता है कि भारत उन पर हमला करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सैन्य अभियान के दौरान भारत में बने ड्रोन और मिसाइलों ने पाकिस्तानी हथियारों और गोला–बारूद की क्षमताओं को उजागर किया।उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने आत्मनिर्भर भारत की ताकत देखी। हमने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए 22 मिनट के भीतर पाकिस्तान मे घुसकर आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। मोदी ने कहा कि पाकिस्तान को भारतीय कार्रवाई की कुछ भनक लग गई थी और उसने परमाणु धमकियाँ देना शुरू कर दिया था, लेकिन जब आतंकी ठिकानों पर हमला हुआ तो वह कुछ नहीं कर सका।

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस और उसके सहयोगी दुर्भाग्य से पाकिस्तानी दुष्प्रचार के प्रवक्ता बन गए हैं। भारत आत्मनिर्भर बन रहा है, लेकिन कांग्रेस अब मुद्दों के लिए पाकिस्तान पर निर्भर है। पूरा देश यह देखकर हैरान है कि कांग्रेस पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रही है और उन्हीं की धुन पर नाच रही है। पीएम मोदी ने कहा, यह (पहलगाम हमला) भारत में दंगे भड़काने की एक साजिश थी और देश की एकता ने उस कोशिश को नाकाम कर दिया। जब मैं इस संसद सत्र को विजयोत्सव कहता हूँ, तो इसका मतलब आतंक के मुख्यालयों को नष्ट करना है। उन्होंने आगे कहा, मैं यहाँ भारत का पक्ष रखने और उन लोगों को आईना दिखाने के लिए खड़ा हूँ जो इसे नहीं समझते। मैने कहा था कि हम आतंकवादियों और उनके आकाओं को ऐसा करारा सबक सिखाएँगे जो उनकी कल्पना से भी परे होगा।

उन्होंने आगे कहा, हमें अपने सशस्त्र बलों की क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और उन्हे जवाब देने की पूरी छूट दी गई थी। सशस्त्र बलों ने उन्हे ऐसा सबक सिखाया कि आतंकवाद के आकाओ की आज भी नींद उड़ी हुई है। हमने तीन लक्ष्य तय किए, अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपनी शर्तों पर जवाब देंगे, दूसरा कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल अब नहीं चलेगा और तीसरा हम आतंकी सरपरस्त सरकार और आतंकवाद के आकाओ उनको अलग–अलग नहीं देखेंगे।

पहलगाम हमले के...

में सुरक्षा बलों ने मार गिराया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा मे भाग लेते हुए, शाह ने कहा कि सोमवार को ऑपरेशन महादेव के तहत आतंकवादी मारे गए। उनकी पहचान सुलेमान उर्फ फैजल, अफगानी और जिबरान के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, सुलेमान लश्कर–ए–तैयबा का ए–श्रेणी का कमांडर था, अफगानी भी ए–श्रेणी का लश्कर–ए–तैयबा का आतंकवादी था, और जिब्रान भी एक कुख्यात और वांछित आतंकवादी था। पहलगाम की बैसरन घाटी मे हमारे नागरिको की हत्या मे शामिल तीनों आतंकवादियों का अब सफाया हो चुका है। पहलगाम के बैसरन मैदानों में आतंकवादियों ने 26 लोगों–जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे–की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसके बाद सशस्त्र बलों ने 7 मई को पाकिस्तान में आतंकी ढाँचे के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

लेह लद्दाख के ...

विधायक कुलदीप राज दुबे, जिला भाजपा अध्यक्ष रोहित दुबे, डीडीसी सदस्य सराफ सिंह नाग, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष शशि गुप्ता तथा अन्य भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। एल. जी लद्दाख ने मंदिर परिसर में पूजा–अर्चना कर देशवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की।

मंदिर प्रबंधन द्वारा उन्हे यात्रा और मंदिर से जुड़ी व्यवस्थाओ की जानकारी भी दी गई। स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों मे उनके आगमन को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। भाजपा नेताओं ने इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया और इसे कटरा के धार्मिक और पर्यटन महत्व की मान्यता का प्रतीक कहा।

अमरनाथ यात्रा के लिए ...

दर्शन किए है।

अधिकारियो ने बताया कि तीर्थयात्रियों का 27वाँ जत्था, जिसमें 1,262 पुरुष, 186 महिलाएँ, 42 साधु और साध्वियाँ शामिल थीं, 61 वाहनों में यहाँ भगवती नगर आधार शिविर से सुबह 3रू25 बजे से 3रू57 बजे के बीच सीआरपीएफ और पुलिस कर्मियो की सुरक्षा में कश्मीर स्थित दोनो आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ।उन्होंने बताया कि पहला तीर्थयात्री काफिला 16 वाहनों मे 327 तीर्थयात्रियों को लेकर गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे छोटे लेकिन अधिक ढलान वाले बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुआ, जिसके बाद 45 वाहनो में 1,163 तीर्थयात्रियो का दूसरा काफिला अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा कर रहा है। इसके साथ ही, 2 जुलाई को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाने के बाद से अब तक कुल 1427,85 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं।

पिछले साल, 5.10 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर मे पूजा–अर्चना की थी, जहाँ प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ का शिवलिंग स्थित है। यह तीर्थयात्रा 9 अगस्त को रक्षा बंधन के त्योहार के साथ समाप्त होने वाली है।

मुंबई आतंकी हमला,...

1500– पर्यटक जाते हैं, अगर यहां कुछ हो जाएगा तो लोग यहां से निकल नहीं पाएंगे, न सुरक्षा का न फर्स्ट ऐड का इंतजाम था, लोग वहां पर इस सरकार के भरोसे गए और इस सरकार ने उन्हें भगवान के भरोसे छोड़ दिया। देश के नागरिको की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है, क्या इस देश के पीएम की नहीं, क्या इस देश के गृह मंत्री की नहीं है क्या रक्षा मंत्री की नहीं है।

अमित शाह के आरोपो पर पलटवार करते हुए प्रियंका ने कहा, गृह मंत्री ने जब यूपीए समय के आतंकवादी हमले तो लगभग 27 गिनाए थे, टीआरएफ ने 2020–25 के अंदर कश्मीर में अकेले 25 हमले किए हैं। पूरी लिस्ट है इन हमलो की। लेकिन मै इतना कहूंगी कि इनमें रियासी का हमला था 2024 का जिसमें 9 लोग मारे गए थे। 2020 से लेकर 22 अप्रैल 2025 तक टीआरआएफ ने कुल 41 सेना और सुरक्षाकर्मियों की हत्या की, 27 नागरिकों को मारा, 54 लोगों को घायल किया। भारत सरकार ने टीआरएफ को आतंकवादी को कब दर्जा दिया 2023 में दिया। तीन साल बाद। कश्मीर में तीन सालो के लिए आतंकवादी गतिविधियां कर रहे है। ये सब सरकार के संज्ञान मे था।

सदन में कांग्रेस नेता ने कहा, सत्ता पक्ष के नेताओं ने 2008 के मुंबई के हमलो का जिक्र किया और कि मनमोहन सिंह की सरकार ने कुछ नहीं किया। लेकिन असलियत ये है कि उसी समय जब वो आतंकवादी हमला चल रहा था तभी उन आतंकवादियो को मार डाला गया था, एक बचा था उसे भी 2012 मे फांसी दे दी थी। महाराष्ट्र के सीएम ने इस्तीफा दिया, देश के गृह मंत्री ने जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा दिया, एक–एक जवाबदेही थी पब्लिक के प्रति जवाबदेही थी इस देश की जनता के प्रति, इस देश की धरती के प्रति।

प्रियंका ने कहा, राजनाथ तो पुलवामा, उड़ी और पठानकोट के समय गृह मंत्री रहे थे आज वो रक्षा मंत्री हैं। हमारे गृह मंत्री महोदय अमित शाह के नाक के नीचे पूरा मणिपुर जल गया, दिल्ली में दंगा हो गया और आज भी वो उसी पद पर बैठै है क्यों?

अमित शाह के भाषण का जिक्र करते हुए प्रियंका ने कहा, पाकिस्तान को आपने शरण दिया ही क्यों, जैसे ही ये बात उठी शरण की बात की हमारे गृह मंत्री जी इतिहास मे चले गए। नेहरू ने क्या किया इंदिरा ने क्या किया मेरी मां के आंसू भी गिना दिया, लेकिन ये जवाब नहीं दिया कि ये जंग रुका क्यों, इसका जवाब नहीं दिया।

पुलिस उपराज्यपाल के ...

में फंसे लोगों तक पहुँचने की पहल में पुलिस द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, हम उन लोगों तक पहुँचने की पूरी कोशिश करते है जो उत्पीड़ित, व्यथित या पीड़ा में हैं। हम हर संभव तरीके से उनकी मदद करने की कोशिश करते है और जिनके पास कोई सहारा नहीं है, उनकी सभी समस्याओं के समाधान में हम उनके साथ खड़े हैं। एक जनसम्पर्क कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रभात ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह मंत्र केंद्र शासित प्रदेश में पुलिस बल के चरित्र और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य उत्पीड़ितों के साथ खड़ा होना और उनकी समस्याओं का समाधान करने में मदद करना है। पुलिस की बहुआयामी माँगों पर प्रकाश डालते हुए, डीजीपी ने पुलिस बल के कर्तव्यों की तुलना विभिन्न विषयो मे उत्कृष्टता प्राप्त करने से की। उन्होंने कहा, मै अक्सर अपनी टीम को ऊँचे लक्ष्य रखने के लिए कहता हूँ– जैसे भौतिकी में नोबेल पुरस्कार जीतना, गणित में स्वर्ण पदक जीतना या किसी शीर्ष विश्वविद्यालय से पीएचडी हासिल करना। हमे हर भूमिका निभाने और वास्तविक बदलाव का माध्यम बनने के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्रभात ने इस बात पर ज़ोर दिया कि समाज की कोई भी समस्या पुलिस के काम से असंबद्ध नहीं है और कहा कि ऐसे सभी मामलों में न्याय सुनिश्चित करना पुलिस का मिशन है। उन्होंने आगे कहा, किसी न किसी तरह से न्याय दिलाना हमेशा से पुलिस का मिशन रहा है। जिस तरह संकट मे फंसे किसी भी व्यक्ति या समाज के किसी भी वर्ग को न्याय दिलाना पुलिस का कर्तव्य है, उसी तरह पुलिस के प्रयासो में सहयोग करना भी समाज की ज़िम्मेदारी है।

हाल ही में एक ऐसे मामले का ज़िक्र करते हुए, जिसमें धोखेबाजो ने पैसे के बदले नौकरी का वादा किया था, डीजीपी ने इसे धोखाधड़ी का स्पष्ट मामला बताया और जनता से सतर्क रहने का आग्रह किया। प्रभात ने कहा, हम अक्सर एक ही केले के छिलके पर क्यों फिसल जाते हैं? नुकसान होने से पहले हम अपनी आँखे क्यो नहीं खोलतें? प्रभात ने कहा कि अपराध एक दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है जिसे सामाजिक जागरूकता के बावजूद पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जा सकता।

प्रभात ने कहा, अपराध के खिलाफ रक्षा की पहली पंक्ति स्वयं समाज है। नागरिकों को सतर्क और ज़िम्मेदार रहना चाहिए। डीजीपी ने दोहराया कि पुलिस हमेशा लोगों के साथ खड़ी रही है और हर लड़ाई मे ऐसा करती रहेगी – चाहे वह ड्रग्स, गैंगस्टर, सामान्य अपराध या आतंकवाद के खिलाफ हो।

अखंड भारत ...

कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की बढ़ती सैन्य और कूटनीतिक ताकत का प्रतीक बताते हुए कहा, ष्आज का भारत शांति की कीमत नहीं चुकाता, बल्कि शांति भंग करने वालों से कीमत वसूलता है। डॉ. सिंह ने 1947 मे पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा एकतरफा युद्धविराम की घोषणा करने के फैसले की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा, अगर ऐसा नहीं होता, तो पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर आज भारत का हिस्सा होता। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी दामोदर सावरकर को लेकर गढ़े जा रहे कथानक पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि देश कांग्रेस द्वारा फैलाए गए झूठ का शिकार है।

डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि यह दिन भारत के सैनिकों के बलिदान को सम्मानित करने के लिए है, जिनमें कैप्टन विक्रम बत्रा और मेजर राजेश सिंह जैसे कारगिल युद्ध के नायक और लद्दाखी चरवाहे तासी नामग्या शामिल हैं, जिन्होंने सेना को दुश्मन की गतिविधियों के बारे मे सचेत किया था। योगेश सिंह ने कहा, भारत बदल गया है। अब यह तेजी से और मजबूती से जवाब देता है।

अमित शाह ने पूर्व ...

बताता हूं। 1948 मे कश्मीर में हमारी सेनाएं निर्णायक बढ़त पर थी, सरदार पटेल ना बोलते रहे जवाहर लाल नेहरू ने एकतरफा युद्धविराम कर दिया। उन्होंने कहा कि मै इतिहास का छात्र हूं जिम्मेदारी के साथ बोलता हूं कि पीओके का अस्तित्व है तो वो नेहरू के कारण है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने इसका विरोध किया था। गाड़ी लेकर गए थे। आकाशवाणी तक गए थे। घोषणा न कर दे दरवाजे बंद कर दिए।

अमित शाह ने कहा कि 1960 में सिंधु जल पर भौगोलिक और रणनीतिक रूप से हम बड़े मजबूत थे, उन्होंने सिंधु समझौता क्या किया, 80 फीसदी भारत का पानी पाकिस्तान को दे दिया। 1965 की लड़ाई में हाजीपीर जैसे रणनीतिक जगह पर हमने कब्जा किया तो 1966 मे लौटा दिया।

शाह ने कहा कि 1971 में इंदिरा का समर्थन किया, उन्होंने पाकिस्तान के दो टुकड़े किए और बहुत बड़ी विजय थी और हम सदियो तक गर्व करेंगे। पर हुआ क्या 93 हजार युद्धबंदी हमारे पास थे और 15 हजार वर्गकिलोमीटर क्षेत्र पाकिस्तान का हमारे पास था। उस वक्त पाकिस्तान की सेना का 42 फीसदी सेना बंदी, मगर शिमला में समझौता हुआ पीओके का मामला ही उलट गया।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अगर उस वक्त पीओके मांग लेते तो न रहता बांस न बजती बांसुरी, लेकिन मांगना ही भूल गए। 15 हजार वर्गकिलोमीटर की जीती हुई भूमि भी वापस दे दी। 1962 के युद्ध मे क्या हुआ 38 हजार वर्ग किलोमीटर अक्साई चिन का हिस्सा चीन को दे दिया गया। नेहरू ने क्या कहा कि वहां घास का एक तिनका भी नहीं उगता है उस जगह का क्या करूं। नेहरू जी का सिर मेरा जैसा था, एक सांसद महावीर प्रसाद त्यागी जी ने कहा कि आपके सिर पर एक बाल नहीं है वो भी चीन को भेज दें क्या।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद मे है और भारत नहीं है। पीएम मोदी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का हिस्सा बने। इसके लिए जवाहरलाल नेहरू का रुख जिम्मेदार है। जब हमारे जवान डोकलाम में चीनी सैनिकों का सामना कर रहे थे, तब राहुल गांधी चीनी राजदूत के साथ बैठक कर रहे थे। चीन के लिए यह प्रेम जवाहरलाल नेहरू, सोनिया गांधी, राहुल गांधी से तीन पीढ़ियो तक चला आ रहा है।

अमित शाह ने इस दौरान राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा। बीजेपी नेता ने कहा कि सोनिया गांधी ने बाटला हाउस के आतंकियो के लिए आंसू बहाए थे जबकि उन्हें शहीद इंस्पेक्टर मोहन चंद्र शर्मा के लिए आंसू बहाने चाहिए थे। शाह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई हो। इन्होंने 2005–11 के बीच में 27 जघन्य हमले किए, हजार के करीब लोग मारे गए। आपने क्या किया। क्या किया आपने। जवाब दीजिए क्या किया।

अमित शाह ने कहा कि मै राहुल गांधी को चुनौती देना चाहता हूं, इन्होंने इन आतंकवादी हमले के खिलाफ उनकी सरकार ने क्या किया, ये बताएं, इन्होने तो उन आतंकियों की फोटो और डोजियर पाकिस्तान भेजते रहे। ये कहते है कि आपके समय में भी हमले हुए लेकिन मै उनको अंतर समझाता हूं, हमारे समय पाक प्रेरित और कश्मीर केंद्रित हुए। 2014 से 2025 तक देश के हिस्से में एक भी घटना नहीं हुई है। ये मोदी सरकार है। उनको पाकिस्तान से आतंकवादी भेजने पड़ते हैं कश्मीर मे अब आतंकवादी हमारे नहीं बनते।

1962 के बाद से ...

के अरुणाचल प्रदेश में चीनी अतिक्रमण के दावे का खंडन करने के लिए कही। रिजिजू ने कहा, रिकॉर्ड को सही करना ज़रूरी है। 1962 के बाद से चीन ने हमारी भूमि में एक इंच भी घुसपैठ नहीं की है और न ही किसी अतिरिक्त भूमि पर कब्जा किया है। यह तथ्य स्पष्ट किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, जब अखिलेश यादव ने कहा कि चीन ने मेरे राज्य में प्रवेश किया है और कब्जा किया है, तो मुझे लगा कि यह स्पष्ट करना ज़रूरी है। अरुणाचल में चीन के कब्जे वाला क्षेत्र 1962 के युद्ध से पहले या उसके दौरान ही उसके नियंत्रण मे था।

टाइगर, इंदिरा, पायलट,...

होती है।

राहुल गांधी ने कहा कि जिस दौरान ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ, बल्कि शुरू होने से पहले ही, विपक्ष के सभी दलों ने, यह प्रतिबद्धता जताई कि हम सेना और भारत की निर्वाचित सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़े रहेंगे। हमने उनके कुछ नेताओ की ओर से कुछ व्यंग्यात्मक टिप्पणियां सुनीं। लेकिन हमने कुछ नहीं कहा। यह कुछ ऐसा था जिस पर इंडिया गठबंधन के सभी वरिष्ठ नेतृत्व के बीच सहमति थी। हमें बहुत गर्व है कि एक विपक्ष के रूप में, हम एकजुट रहे जैसा कि हमें होना चाहिए था।

लोकसभा मे विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यहां दो शब्द हैं–राजनीतिक इच्छाशक्ति और संचालन की स्वतंत्रता। यदि आप भारतीय सशस्त्र बलों का उपयोग करना चाहते हैं, तो आपके पास 100 फीसदी राजनीतिक इच्छाशक्ति और संचालन की पूर्ण स्वतंत्रता होनी चाहिए। कल, राजनाथ सिंह ने 1971 और सिंदूर की तुलना की। मै उन्हे याद दिलाना चाहूंगा कि 1971 में राजनीतिक इच्छाशक्ति थी।पाकिस्तान का सातवां बेड़ा हिंद महासागर के रास्ते भारत की ओर आ रहा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें बांग्लादेश के साथ जो करना है, करना होगा, जहां भी आना है आओ... इंदिरा गांधी ने जनरल मानेकशॉ से कहा कि 6 महीने, 1 साल, जितना भी समय आपको चाहिए, ले लीजिए क्योंकि आपको कार्रवाई की, युद्धाभ्यास की स्वतंत्रता होनी चाहिए। 1 लाख पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया और एक नया देश बना।इंदिरा गांधी के 50 फीसदी भी होंगे तो प्रधानमंत्री जी बोल देंगे कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप झूठे हैं। ट्रंप ने 29 बार कहा कि हमने सीजफायर करवाया लेकिन प्रधानमंत्री ने एक बार भी खंडन नहीं किया। राहुल गांधी ने कहा कि आइए अब हम ऑपरेशन सिंदूर पर आते हैं। कल मैंने राजनाथ सिंह का भाषण देखा। जब लोग बोलते हैं तो मै काफी ध्यान से सुनता हूं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सुबह 1.05 बजे शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 22 मिनट तक चला। फिर उन्होंने सबसे चौंकाने वाली बात कही – 1.35 पर, हमने पाकिस्तान को फोन किया और उन्हें बताया कि हमने गैर–सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया है और हम मिलिट्री टारगेट नहीं मारेंगे।शायद वह समझ नहीं पाए कि उन्होंने क्या खुलासा किया। भारत के डीजीएमओ को भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर की रात को ही 1.35 बजे युद्धविराम के लिए कहने के लिए कहा था। आपने सीधे पाकिस्तान को अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति बता दी कि आपके पास लड़ने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है, कि आप लड़ना नहीं चाहते हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि हम पहलगाम हमले के बाद नरवाल साहब के घर गए, उनका पुत्र नेवी मे था। यूपी मे भी पीड़ित परिवार से मिलने गए। कश्मीर मे भी पीड़ित परिवार से मुलाकात की। हम राजनीतिक काम से लोगो से मिलते रहते है। जब हाथ मिलाते हो तब पता चल जाता है कि ये टाइगर है। टाइगर को आजादी देनी पड़ती है। सेना को पूरी आजादी देनी होती है। राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। सेना के उपयोग के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी है। 1971 मे तब की प्रधानमंत्री ने अमेरिका की परवाह नहीं की। एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों ने सरेंडर किया।

जैसे ही लोकसभा स्पीकर ने किसी बात के लिए राहुल गांधी को टोका तो राहुल गांधी ने कहा कि बोलने दीजिए सर मजा आ रहा है, अभी तो ओपनिंग किए हैं। मुझे सवाल पूछने दीजिए सर।

राहुल गांधी ने कहा, एक नया शब्द चला है। न्यू नॉर्मल। भाषण में विदेश मंत्री ने कहा कि सारे देशो ने आतंकवाद को निंदा की है। मगर उन्होंने ये नहीं बताया कि पहलगाम के बाद एक भी देश ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की है। विदेश मंत्री कहते है कि हमने पाकिस्तान को रोक दिया है, लेकिन पाकिस्तान के सेना प्रमुख ट्रम्प के साथ लंच कर रहे है।

ऑपरेशन सिंदूर पर ...

मंत्री ने कहा कि यदि इसे ऑपरेशन सिंदूर के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो जब हमारे 25 भारतीय मातओ और बहनों का सिंदूर उजाड़ा गया, तो हमारी सरकार को जो उचित लगा, हमने वह किया और 100 से ज्यादा आतंकियों को मौत के घाट उतारा। मै यहां यह भी कहना चाहूंगा, कि आज भी ऑपरेशन सिंदूर पर मात्र विराम है पूर्ण विराम नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष को यह लगता है, कि हमने ऑपरेशन सिंदूर करके ठीक नहीं किया, तो मै उन्हें आमंत्रित करता हूं, कि वह जनता को बताएं, कि उनके पास इसका वैकल्पिक कार्य योजना क्या है? हमारी माताओ–बहनो का सिंदूर उजड़ गया, तो क्या हम पाकिस्तान के साथ राजनयिक जुड़ावकरें? क्या हम पाकिस्तान को डोजियर सौंपें? क्या हम अंतरराष्ट्रीय संगठनों मे जाकर केवल बातें करें?

राजनाथ ने कहा कि जब हमारे विपक्ष के साथी सत्ता मे थे तो आतंकी हमले होने पर, वे ऐसे ही कदम उठाया करते थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगो को लगता है कि पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं, तो उनसे केवल बातचीत करनी चाहिए। इस परमाणु झांसा के कारण, हमने न जाने कितने नागरिकों को खो दिया। हमारा विजन है कि हम ईट का जवाब पत्थर से देंगे। उन्होंने कहा कि मैं कहना चाहूंगा कि आज नाग पंचमी है। नाग पंचमी के दिन नागों को दूध पिलाना उचित है, परंतु रोज़ नहीं। हमारा विजन है कि ऑपरेशन सिंदूर सतत चलता रहे। बीच में इसके विराम भले हो सकता है लेकिन पूर्ण विराम कभी नहीं होगा।उन्होंने कहा कि आज जब मैं देश के अलग–अलग हिस्से मे जाता हूं, तो मुझे भारतीय जनता का, भारतीय जनता पार्टी के इस अपेपवद के प्रति अटूट विश्वास दिखाई पड़ता है। पर विपक्ष क्या चाहता है, यह अभी भी समझ के बाहर है। जब आप सत्ता में थे तो आपकी नीति पक्षाघात ने देश को नुक़सान पहुंचाया। और आज जब आप विपक्ष मे हैं तो आपकी नीति दिवालियापन देश के लिए और लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय बन चुकी है।विपक्ष की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ मित्र यह भी कह रहे हैं, कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमें पाक अधिकृत कश्मीर यानी च्वज्ञ पर कब्जा कर लेना चाहिए था। जब मैं विपक्ष के अपने साथियों से यह बातें सुनता हूं, तो मुझे आश्चर्य होता है, कि ये लोग मन से यह बाते कर रहे हैं, या फिर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं। ख़ैर, जो भी हो, हमेशा से ही भारतीय जनता पार्टी का और खुद मेरा भी यह मानना रहा है, कि वह दिन दूर नहीं, जब पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों को भारतीय शासन व्यवस्था का अंग बनने का सौभाग्य प्राप्त होगा।रक्षा मंत्री ने कहा कि आज सारी दुनिया जान चुकी है कि पाकिस्तान आतंकवाद का मुख्य केन्द्र है। जिस देश ने आतंक को अपनी ‟जंजम च्वसपबल का औज़ार बना लिया हो, उसके लिए लम्बे समय तक यह खेल खेलना संभव नही है। जो लोग सांपों को अपने घर मे पालते है,एक दिन वह सांप उन्हें भी डस लेता है। आतंकवाद का यह कारोबार आज पाकिस्तान को महंगा पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मानवता के सामने जितनी भी भयावह महामारियाँ आईं, वह देर–सवेर खत्म हो ही गईं। आतंकवाद भी एक महामारी है, इसकी नियति भी यही है। लेकिन इसे अपनी मौत मरने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता। क्योंकि जब तक आतंकवाद है, यह हमारी सामूहिक शांति, विकास और समृद्धि को चुनौती देता रहेगा। हमारे संसाधन इस आतंकवाद रूपी महामारी से लड़ने मे बर्बाद होते रहेंगे। इसलिए आतंकवाद की इस समस्या का स्थायी समाधान बहुत ही आवश्यक है।राजनाथ ने कहा कि मैंने तो पहले भी पाकिस्तान को पहले भी सलाह दी थी और आज फिर कहना चाहता हूँ, कि अगर आपसे पाकिस्तान में आतंकवाद के ख़िलाफ़ प्रभावी कारवाई नहीं हो पा रही है तो भारत की मदद लीजिये। भारत की सेनाएँ आतंकवाद के ख़िलाफ़ सरहद के इस पार और उस पार प्रभावी कारवाई करने मे सक्षम हैं। यह तो पाकिस्तान ने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देख लिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान है कि एक ज़िद्दी बच्चे की तरह मानता ही नहीं है। इसलिए पूरी दुनिया के लिए यह ज़रूरी है कि पाकिस्तान पर आतंकवाद को लेकर हर तरह का रणनीतिक, कूटनीतिक और आर्थिक दबाव बनाया जाये। हमारी सरकार ने आतंकवाद से निपटने के साथ साथ भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए नई सोच के साथ नई रणनीति अपनाई है। आज जब हम आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं, तो उसके सबसे मजबूत स्तंभों में एक है हमारा रक्षा क्षेत्र। जब कोई राष्ट्र अपने सुरक्षा उपकरण, अपने हथियार, अपने लड़ाकू विमान और मिसाइले खुद बनाना शुरू कर दे, तो वह न केवल खुद पर विश्वास करना सीखता है, बल्कि दुनिया को भी यह संदेश देता है, कि अब हम आत्मनिर्भर है, सक्षम हैं और किसी के मोहताज नहीं है।

विशेषाधिकार समिति ...

अहमद खान, भारत भूषण और जावेद इकबाल शामिल हुए। इस बैठक मे सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के आयुक्त सचिव एम. राजू, विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग के सचिव अचल सेठी, आतिथ्य एवं प्रोटोकॉल विभाग के सचिव नीरज कुमार और विधानसभा सचिव मनोज कुमार पंडिता भी उपस्थित थे।

सभापति ने विधायको द्वारा सभी उपयुक्त मंचों पर अपने संवैधानिक अधिकारों और विशेषाधिकारों का समर्थन करने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों की गरिमा, स्वायत्तता और प्रभावी कार्यप्रणाली की रक्षा के लिए एक सुस्पष्ट ढाँचे की आवश्यकता पर बल दिया। समिति ने संकल्प लिया कि विधायको के विशेषाधिकारों और प्रोटोकॉल संबंधी मुद्दों पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके निर्धारित समय–सीमा के भीतर प्रस्तुत की जाए।

अध्यक्ष ने समिति के सदस्यो के सामूहिक प्रयासो और प्रतिबद्धता पर विश्वास व्यक्त किया और संस्था की अखंडता को बनाए रखने मे उनकी भूमिका की पुष्टि की। उन्होंने आश्वासन दिया कि समिति जन कल्याण में योगदान जारी रखने के लिए अपने निर्धारित अधिदेश के अंतर्गत सहयोग और कार्य करेगी। बैठक मे सदस्यो की सक्रिय भागीदारी रही जिन्होंने विभिन्न मुद्दों पर व्यावहारिक सुझाव और प्रतिक्रियाएँ साझा कीं।

मुझे बोलने दो, ...

राशिद को संसद के मॉनसून सत्र में शामिल होने के लिए लोअर कोर्ट की ओर से कस्टडी पैरोल दी है।

बता दे कि मंगलवार को संसद की कार्यवाही चल रही थी। इस बीच जब श्रीकांत शिंदे बोलने के लिए खड़े हुए, तो राशिद इंजीनियर ने विरोध मे आवाज उठाई। उन्होंने लोकसभा की सीढ़ियों पर खड़े होकर जोर से कहा कि उन्होने एक दिन के डेढ़ लाख रुपये दिए हैं और उन्हें बोलने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने लोकसभा स्पीकर से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर उनके क्षेत्र में हुआ था। इस घटना से लोकसभा मे कुछ देर के लिए हंगामा मच गया।

इंजीनियर राशिद ने 2024 में बारामूला लोकसभा सीट जीतकर सबको चौंका दिया था। उन्होंने जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हराया था। राशिद ने यह चुनाव जेल में रहते हुए लड़ा था। एनआईए ने उन्हें 2016 मे गिरफ्तार किया था। अब दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें संसद के मॉनसून सत्र मे भाग लेने के लिए पेरोल दी है। उन्हें 24 जुलाई से 4 अगस्त तक के लिए पेरोल मिली है। इससे पहले महाराष्ट्र से कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने भी संसद में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले मे अपने प्रियजनो को खोने वाले परिवारों के लिए यह गहरा दुख है और यह गुस्सा इस सरकार के प्रति है, जो अब तक पहलगाम हमले के दोषियो को पकड़ने या कोई सुराग देने में विफल रही है। ऑपरेशन सिंदूर मीडिया में सरकार का एक तमाशा मात्र था।

एनआईटी श्रीनगर के ...

मुक्त और मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर)–ळप्ै (भौगोलिक सूचना प्रणाली) परियोजना द्वारा स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार,‟इ्न्‍ैज–ज्ञ के सहयोग से, श्रीनगर स्मार्ट सिटी में अपशिष्ट प्रबंधन, हरित ऊर्जा और शहरी स्थिरता जैसे क्षेत्रों मे ओपन–सोर्स भू–स्थानिक अनुसंधान में डॉ. खान के असाधारण योगदान को मान्यता देता है, जिसमें डल झील संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह पुरस्कार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार की उपस्थिति में प्रदान किया गया, जिन्होंने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

आईआईटी बॉम्बे में थ्व्ेम् ळप्ै का प्राथमिक लक्ष्य ओपन–सोर्स भू–स्थानिक सॉफ्टवेयर के बारे में जागरूकता बढ़ाना, भारतीय उपग्रह डेटा (जैसे इसरो–एनआरएससी के भुवन, वेदास, मोसडैक और भूनिधि पोर्टल) के उपयोग को बढ़ावा देना और नाविक (इसरो–सैटनेव) जैसी स्वदेशी तकनीकों का समर्थन करना है। राष्ट्रीय सम्मान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, एनआईटी श्रीनगर के निदेशक, प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया ने कहा कि यह पूरे एनआईटी श्रीनगर समुदाय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा, यह एनआईटी श्रीनगर के लिए गर्व का दिन है। डॉ. मोइज़ खान का पुरस्कार दर्शाता है कि कैसे हमारे संस्थान का शोध पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने मे वास्तविक बदलाव ला रहा है।

संस्थान के रजिस्ट्रार, प्रो. अतीकुर रहमान ने भी डॉ. मोइज़ को बधाई दी और कहा कि यह पुरस्कार भू–स्थानिक क्षेत्र मे डॉ. खान के समर्पण और प्रभावशाली शोध का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय मिशनों के अनुरूप ओपन–सोर्स और नीति–संचालित वैज्ञानिक कार्यो को बढ़ावा देने के लिए एनआईटी श्रीनगर की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. एफ. क्यू. मीर ने डॉ. मोइज़ खान को पुरस्कार मिलने पर बधाई दी। उन्होंने महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और शहरी समस्याओं के समाधान के लिए ओपन–सोर्स भू–स्थानिक उपकरणो का उपयोग करने के लिए उनकी प्रशंसा की।डॉ. मीर ने कहा, यह हमारे विभाग के लिए गर्व का क्षण है। उनका काम युवा शोधकर्ताओं को सार्थक, वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। डॉ. मोइज़ की परियोजनाएँ राष्ट्रीय भू–स्थानिक नीति 2022 और भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जो भारत–विशिष्ट समस्याओं के समाधान के लिए छंटप्ब्, भारतीय उपग्रह डेटा और ओपन–सोर्स प्लेटफ़ॉर्म के उपयोग पर ज़ोर देती हैं। अपने संदेश मे, डॉ. मोइज़ खान ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से यह सम्मान पाकर वह अभिभूत और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह पुरस्कार कश्मीर में पर्यावरण संरक्षण और सतत शहरी विकास मे सार्थक योगदान देने के लिए भू–स्थानिक विज्ञान का उपयोग करते हुए और अधिक सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहित करता है। राष्ट्रीय भू–स्थानिक पुरस्कार आईआईटी बॉम्बे में थ्व्ेम् ळप्ै परियोजना की एक प्रमुख पहल है। इनका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी मे योगदानकर्ताओं को मान्यता प्रदान करना और ओपन–सोर्स ळप्ै उपकरणों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष, देश भर से नामांकन प्राप्त हुए। पुरस्कार विजेताओ का चयन एक राष्ट्रीय निर्णायक मंडल द्वारा किया गया जिसमे इसरो, एनआरएससी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग और शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल थे।

संदिग्ध गतिविधियों ...

सुनाई। जिसके बाद उसके पति ने गांववासियों को इस पूरी घटना की जानकारी दी।वहीं गांववासियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद जम्मू–कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह, सेना और अर्धसैनिक बलों सहित अन्य सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र और उज्ज नदी के आसपास घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। हालांकि तेज बारिश ने तलाशी अभियान में काफी बादा भी डाली लेकिन सुरक्षा बल डटे रहे। इसी बीच सुरक्षा बलों ने ड्रोन का भी सहारा लिया। वही खबर लिखे जाने तक तलाशी अभियान जारी था।

Created by Universal Document Converter

तुम्हारी पाकिस्तान से..अमित शाह ने भरे सदन में अखिलेश से पूछ लिया कुछ ऐसा, भड़क गया पूरा विपक्ष

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए लोकसभा को बताया कि जम्मू–कश्मीर के ऑपरेशन महादेव में मारे गए तीनों आतंकवादी 22 अप्रैल को पहलगाम हमले में शामिल हमलावर थे। ऑपरेशन महादेव सोमवार को सेना, सीआरपीएफ और जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया था। शाह ने आगे कहा कि आज मैं सदन को बताते हुए बहुत खुश हूं कि मोदी जी ने ऑपरेशन सिंदूर करके जिन्होंने आतंकवादियों को भेजा था, उनके आकाओं को सेना व सीआरपीएफ ने जमीन में मिलाने का काम किया। अमित शाह जब ये जानकारी दे रहे थे इसी बीच अखिलेश यादव ने पाकिस्तान का जिक्र कर कुछ कहा तो गृह मंत्री ने पलटवार कर दिया। उन्होंने सपा मुखिया से दो टूक कहा कि अखिलेश जी बैठ जाइए मेरा पूरा जवाब सुनिए आपको सब समझ में आ जाएगा, भाई आप आतंकवादियों के धर्म देखकर दुखी मत होइए।

अमित शाह ने जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान से आपकी बात होती है क्या? इसके बाद सपा सांसद सदन में शोर करना शुरू कर देते हैं। अमित शाह ने तुरंत विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि कल पूछ रहे थे आतंकी कहां से आए, भाई जिम्मेदारी हमारी ही है। हम सरकार में है, पर मैं पूछता हूं कि जब आप सरकार में थे तब आपने क्यों जिम्मेदारी नहीं ली। बाद में स्पीकर द्वारा शांत कराए जाने के बाद अमित शाह ने आगे बोलना शुरू किया और कहा कि कैसे इनके आका मारे गए और वो भी जगह व नाम के साथ बताता हूं। घंटे, मिनट और सेकेंड के साथ बताता हूं। गृह मंत्री

अमित शाह ने मोहम्मद यूसुफ अजहर, मोहम्मद जमील समेत इस ऑपरेशन में मारे गए. उन्होंने आतंकियों के नाम भी सदन में गिनाए और कहा कि कल ये (विपक्षी सांसद) मुझसे पूछ रहे थे कि पहलगाम के दोषी कहां गए। ये 10 जो नाम पढ़े हैं, उनमें से आठ चिदंबरम एंड कंपनी के जमाने में आतंकी घटनाएं घटाते थे।

शाह ने कहा कि सेना और आईबी के सुरक्षाकर्मी उनके सिग्नलों को रोकने के लिए इलाके में लगातार घूमते रहे। इससे पहले, यह बताया गया था कि ऑपरेशन महादेव 15 दिनों में एकत्रित खुफिया सूचनाओं के आधार पर शुरू किया गया था, जिसकी शुरुआत 11 जुलाई को बैसरन इलाके में एक चीनी सैटेलाइट फोन का पता चलने के साथ हुई थी। 22 जुलाई को आखिरकार इलाके में उनकी मौजूदगी की पुष्टि हो गई। सेना, सीआरपीएफ और जम्मू–कश्मीर पुलिस ने मिलकर उन्हें घेरने के लिए एक समन्वित अभियान चलाया। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवादियों को पनाह देने वालों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। शाह ने कहा कि जब आतंकवादियों के शव श्रीनगर लाए गए, तो गिरफ्तार किए गए लोगों से उनकी पहचान करवाई गई और उन्होंने तीनों की पहचान की पुष्टि की। गृह मंत्री ने कहा कि हमले वाली जगह से कारतूस के खोखे बरामद किए गए हैं और उनकी एफएसएल जाँच पहले ही कर ली गई थी। आतंकवादियों के पास एके–47 और एम9 कार्बाइन थीं।

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा, राजनाथ बोले– सरकार जो कहती है वो करती है

नई दिल्ली। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू

हो गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सबसे पहले अपनी बात रखी। ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में बोलते हुए राजनाथ ने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में 26 लोगों की हत्या करने वाले द रेजिस्टेंस फ्रंट के तीन आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया है। उन्होंने कहा कि भारत की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में हमारी सेनाओं और अन्य सुरक्षा बलों की भूमिका की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारी सरकार जो कहती है वो करती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना और यह स्पष्ट संदेश देना था कि भारत आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता रखता है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को केवल वर्तमान के संदर्भ में ही नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि भारत के भविष्य को आकार देने में भी इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि छह और सात मई को पहलगाम हमले के जवाब में चलाया गया 'आपरेशन सिंदूर' केवल सैन्य कार्रवाई ही नहीं था बल्कि यह भारत की संप्रभुता और आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का एक प्रदर्शन था।

उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में यह विस्तृत जानकारी दी है कि सोमवार को सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में मारे गये आतंकवादियों के पास से मिले हथियारों की फारेंसिक जांच की गयी है। सिंह ने कहा कि जांच में यह पूरी तरफ स्पष्ट हो गया कि यह वे ही हथियार हैं जिनका इस्तेमाल पहलगाम आतंकवादी हमले में किया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा, ''हम जो कहते हैं, वह करते हैं। यही हमारा चरित्र है।''

गोवा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए होमस्टे नीति में किया बदलाव, आवेदकों को 2 लाख रुपये का प्रत्यक्ष अनुदान मिलेगा

गोवा। गोवा के ग्रामीण क्षेत्रों में आतिथ्य पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से, राज्य सरकार ने स्थानीय समुदायों की सहायता के लिए अपनी होमस्टे नीति में संशोधन किया है, पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे ने घोषणा की। संशोधित नीति के तहत, पात्र आवेदकों को अब होमस्टे स्थापित करने के लिए 2 लाख रुपये का सीधा अनुदान मिलेगा, जो पिछले प्रतिपूर्ति मॉडल की जगह लेगा, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण परिवारों के लिए वित्तीय चुनौतियाँ पैदा हुई थीं।

खाउंटे ने राज्य विधानसभा के चल रहे मानसून सत्र के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि मूल नीति के तहत लाभार्थियों को पहले निवेश करना होता था और बाद में राशि का दावा करना होता था, जो ग्रामीण परिवारों की महिलाओं के लिए व्यावहारिक नहीं था। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिक्रिया के आधार पर, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बदलाव किए हैं कि नीति समावेशी, सुलभ और वास्तव में सशक्त हो। मंत्री के अनुसार, संशोधित नीति विशेष रूप से मालिक के निवास के भीतर स्थित होमस्टे को लक्षित करती है, जहाँ मेहमानों के लिए एक से छह कमरे उपलब्ध होंगे। नीति के ग्रामीण फोकस को बनाए रखने के लिए लाभ गैर–तटीय और गैर–शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित रहेंगे।

खाउंटे ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर बनाई गई है, क्योंकि ग्रामीण होमस्टे का प्रबंधन मुख्य रूप से घर की महिलाओं द्वारा ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ हमारे पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र में इन्वेंट्री जोड़ने के बारे में नहीं है, बल्कि आजीविका के अवसर पैदा करने, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और ग्रामीण महिलाओं को समुदाय– आधारित पर्यटन में नेतृत्वकारी भूमिका देने के बारे में है। खाउंटे ने कहा कि संशोधित योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रक्रिया 8 अगस्त को मौजूदा विधानमंडल सत्र समाप्त होने के बाद शुरू की जाएगी।

मोदी सरकार की नीतियों से बदली खेती की तस्वीर, शिवराज ने लोकसभा में गिनाई उपलब्धियां

अंकित सिंह

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कृषि उत्पादकता बढ़ाने और फल, फूल, सब्जियाँ, डेयरी, मछली पालन और पशुपालन सहित विविध कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान बोलते हुए, चौहान ने कहा कि हमने उत्पादन बढ़ाया, लागत कम की, बेहतर मूल्य सुनिश्चित किए, नुकसान की भरपाई की और विविध कृषि को बढ़ावा दिया। सिर्फ एक फसल की खेती नहीं, बल्कि फल, फूल, सब्जियाँ, डेयरी, कृषि, मछली पालन और पशुपालन की खेती। हमने कई अलग–अलग चीजें आजमाई हैं।

मंत्री ने विभिन्न फसलों और दूध उत्पादन के विशिष्ट आंकड़ों का हवाला देते हुए पिछले एक दशक में कृषि उत्पादन में हुई उल्लेखनीय वृद्धि का विवरण दिया। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में, फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2013–14 में पूर्ण खाद्यान्न का उत्पादन 240.42 मिलियन टन था। यह बढ़कर 353.96 मिलियन टन हो गया है। दाल

का उत्पादन 16.38 मिलियन टन था। यह बढ़कर 25.24 मिलियन टन हो गया है। तिलहन का उत्पादन 27.51 मिलियन टन था। यह बढ़कर 42.61 मिलियन टन हो गया है... दूध का उत्पादन 137.7 मिलियन टन था। यह बढ़कर 249.30 मिलियन टन हो गया है।

चौहान ने किसानों के लिए प्रमुख वित्तीय सहायता योजनाओं का भी जिक्र किया, जिनमें पीएम–किसान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के लिए बढ़ी हुई धनराशि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि शामिल है। साथ ही, उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए यूरिया और डीएपी पर सब्सिडी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम–किसान के तहत, 10 करोड़ किसानों को 2 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी का लाभ मिला। उन्होंने कहा कि हम किसानों की आय दोगुनी कर रहे हैं। इसके लिए डैंच भी बढ़ा रहे हैं, रिकॉर्ड खरीदी भी कर रहे हैं और किसान क्रेडिट कार्ड पर सस्ता ऋण भी उपलब्ध करा रहे हैं।

शिवराज ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में केसीसी की धनराशि 7 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर भाजपा के शासनकाल में 25 लाख करोड़ रुपये हो गई। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने 35,000 करोड़ रुपये के प्रीमियम के बदले 1.43 लाख करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया। एमएसपी में अब उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत लाभ शामिल है, जिसे कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान खारिज कर दिया था। यूरिया और डीएपी सब्सिडी ने किसानों की आय को और बढ़ाया है।

भाजपा नेता ने कहा कि पूर्व की फसल बीमा योजना किसान हितैषी नहीं थी, उसमें अनेक परिवर्तन करने का काम हुआ है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत यदि बीमा कंपनी किसान का क्लेम निर्धारित तिथि से 21 दिनों के भीतर भुगतान नहीं करती है, तो उसे 12: ब्याज सहित भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा कि कई बार राज्य सरकार के शेयर आने में देरी होती है, कुछ सरकार तो ऐसी हुई, जिन्होंने कह दिया कि हम शेयर देंगे और दिया ही नहीं, अब हमने तय कर दिया है कि राज्य सरकार अपना शेयर दे या न दे, केंद्र सरकार अपना शेयर जरूर डालेगी।

रहस्यों से पर्दा उठाएगा 'समुद्रयान', भारत का गहरे समुद्र का ऐतिहासिक मिशन

नई दिल्ली। हम पृथ्वी के महासागरों की तुलना में चंद्रमा और मंगल ग्रह के बारे में अधिक जानते हैं। विशाल खुले समुद्र में कुछ अत्यंत प्राचीन, अछूते वातावरण और बहुमूल्य संसाधन मौजूद हैं जो मानव की पहुँच से दूर हैं। महासागर की सतह के नीचे उन विशाल क्षेत्रों का अन्वेषण करने के लिए, भारत एक साहसिक गहरे समुद्र मिशन की तैयारी कर रहा है। भारत जल्द ही समुद्र की 6 किलोमीटर गहराई में मानव मिशन श्समुद्रयानश भेजेगा। समुद्रयान, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा संचालित भारत का पहला मानवयुक्त गहरे समुद्र में भेजा जाने वाला मिशन है। इसका लक्ष्य? एक विशेष वाहन का उपयोग करके तीन लोगों को समुद्र तल से 6 किलोमीटर नीचे भेजना है जो अत्यधिक पानी के नीचे की परिस्थितियों, अत्यधिक दबाव, ठंडे तापमान और पूर्ण अंधकार को झेलने में सक्षम है।

समुद्रयान भेजे जाने की जानकारी केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नई दिल्ली में मंत्रालय के 19वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान दी। उन्होंने कहा कि

जिस तरह श्गगनयानश मिशन के जरिए भारत एक अंतरिक्ष यात्री को अंतरिक्ष में भेजने जा रहा है, उसी तरह श्समुद्रयानश मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को समुद्र की गहराइयों तक ले जाएगा। डॉ. सिंह ने इस मौके पर मंत्रालय द्वारा विकसित 14 नई वैज्ञानिक सेवाओं और डिजिटल उत्पादों की शुरुआत भी की। इनमें भारत फोरकास्ट सिस्टम, फसल–मौसम कैलेंडर, एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग और समुद्री जैव विविधता रिपोर्ट जैसे प्रमुख उत्पाद शामिल हैं।

मत्स्य–6000 एक मानवयुक्त पनडुब्बी है जिसे तीन लोगों को समुद्र तल से 5,000 मीटर से अधिक की गहराई तक भेजने के लिए एक मानवयुक्त वाहन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस पनडुब्बी में टाइटेनियम से बना 2.1 मीटर का एक कार्मिक गोला होगा जो लोगों को 5,000 मीटर की गहराई तक सुरक्षित रूप से ले जा सकेगा। टाइटेनियम मिश्र धातु से बने इस कार्मिक गोले को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अंतरिक्ष एजेंसी और समुद्री संस्थान के बीच एक अनूठे सहयोग से विक. सित किया जा रहा है। यह मानवयुक्त पनडुब्बी उत्प्लावन प्रबंधन हेतु उप–प्रणालियों से सुसज्जित होगी जो अवरोहण, आरोहण, शक्ति और नियंत्रण प्रणालियों, पैंतरेबाजी प्रणोदकों, समुद्र के नीचे हस्तक्षेप करने वाले मैनिपुलेटरों, नेविगेशन और पोजिशनिंग उपकरणों, डेटा और ध्वनि संचार प्रणालियों, ऑन–बोर्ड ऊर्जा भंडारण बैटरियों, साथ ही आपातकालीन सहायता प्रणालियों को सक्षम बनाएगी। भगवान विष्णु के अवतार के नाम पर मत्स्य नामक इस पोत का डिजाइन इस प्रकार किया गया है कि यह 5,000 मीटर की गहराई पर 12 घंटे तक निरंतर परिचालन कर सकता है, तथा गहरे पानी में अवलो. कन और अन्वेषण के लिए 96 घंटे तक आपातकालीन क्षमता रखता है।

धर्मनिरपेक्षता की आड़ में फिर उठा सवाल, एमपी पुलिस प्रशिक्षण में रामचरितमानस पाठ का विरोध क्यों?

नई दिल्ली। हाल ही में मध्य प्रदेश में पुलिस प्रशिक्षण के दौरान रामचरितमानस के पाठ को लेकर उठे विवाद ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि भारत में जब भी हिंदू धर्मग्रंथों से शिक्षा लेने की बात आती है, तो उसे धर्मनिरपेक्षता के नाम पर क्यों विरोध का सामना करना पड़ता है? देखा जाये तो भारत का औपनिवेशिक और विभाजन का इतिहास धार्मिक आधार पर गहरे घाव छोड़ गया है। इसलिए जब किसी सरकारी संस्था में किसी विशेष धर्म के ग्रंथ को पढ़ने का आदेश दिया जाता है, तो अन्य समुदायों में यह भय फैलाया जाता है कि राज्य किसी विशेष धार्मिक पहचान को बढ़ावा दे रहा है।

ज्यादातर यही देखने में आता है कि विरोध करने वाले नेता या समूह यह सवाल उठाते है कि क्यों केवल हिंदू धर्मग्रंथों को चुना जाता है, जबकि अन्य धर्मों के ग्रंथों से भी नैतिक शिक्षा ली जा सकती है। दरअसल ऐसा कहने वालों को यह डर रहता है कि यदि वे हिंदू धर्मग्रंथों का समर्थन करेंगे, तो उन्हें षहिंदू–झुकावष वाला दल कहा जाएगा, जिससे अल्पसंख्यक वोटरों का समर्थन कम हो सकता है। यही कारण है कि वे अत्यधिक सेकुलर दिखने के प्रयास में हिंदू धर्म से जुड़ी बातों पर विरोध जताने लगते हैं।

कुछ नेता यह भी मानते हैं कि हिंदू धर्मग्रंथों का समर्थन करने से वे षसांप्रदायिकष कहलाएँगे। इसलिए वह जानबूझकर विरोध करते हैं ताकि खुद को धर्मनिरपेक्ष साबित कर सकें। इसके अलावा, चुनावी राजनीति में अल्पसंख्यक वोट बैंक को साधने के लिए हिंदू धर्म से जुड़े मुद्दों पर नकारात्मक रुख अपनाना ऐसे नेताओं के लिए एक रणनीति बन जाती है। देखा जाये तो धार्मिक ग्रंथों को षधर्मष नहीं बल्कि षसांस्कृतिक व नैतिक मूल्योंष

के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए। रामचरितमानस या गीता में जो कर्तव्यनिष्ठा, त्याग और सत्य की शिक्षा दी गई है, वह सभी धर्मों के लोगों के लिए समान रूप से प्रेरक हो सकती है। बहरहाल, हिंदू धर्म ग्रंथों का विरोध करने वालों को समझना होगा कि भारत की धर्मनिरपेक्षता का मतलब किसी धर्म को दबाना या नकारना नहीं है, बल्कि सभी धर्मों को समान सम्मान देना है।

असम के लिए कलंक, किसी भी समय छोड़ सकते हैं देश, सीएम हिमंता का गौरव गोगोई पर निशाना

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर दिए गए जोरहाट के सांसद गौरव गोगोई के भाषण को लेकर उन पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता पाकिस्तान की ओर से काम कर रहे हैं और राज्य के लिए अपमान. जनक है। सरमा ने कांग्रेस नेता गोगोई के पाकिस्तान से कथित संबंधों के दावे को भी दोहराया और कहा कि गोगोई अपनी पत्नी के विदेशी नागरिकता के साथ किसी भी समय भारत छोड़ सकते हैं।

गोगोई का नाम लिए बिना, सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया, षकल संसद में जोरहाट से हमारे सांसद द्वारा दिए गए भाषण से यह संदेह से परे साबित हो गया कि वह पाकिस्तान की ओर से काम करते हैं। उनकी गुप्त यात्रा और पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ घनिष्ठ संबंध बहुत कुछ कहते हैं।ष गोगोई को असम के लिए कलंक और राज्य के गौरव के साथ विश्वासघात बताते हुए, सरमा ने कहा, षउनकी पत्नी और

दोनों बच्चों के पास विदेशी नागरिकता होने के कारण, वह कभी भी भारत छोड़ सकते हैं। वह असम के लिए कलंक हैं और एक गौरवान्वित भारतीय के रूप में हमारे गौरव के साथ विश्वासघात हैं।

कल लोकसभा में विपक्ष के उपनेता और कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार–बार इस दावे को लेकर केंद्र पर निशाना साधा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने में मध्यस्थता की थी। लोकसभा में श्पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत का सशक्त, सफल और निर्णायक ऑपरेशन सिंदूरश पर बहस में भाग लेते हुए, गोगोई ने पाकिस्तान के झुकने के बाद ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए सरकार की आलोचना की और पूछा कि सरकार आगे क्यों नहीं बढ़ी और पड़ोसी देश द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्र को वापस क्यों नहीं लिया।

गोगोई ने कहा कि पूरा देश और विपक्ष, प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन कर रहे थे। अचानक, 10 मई को, हमें पता चला कि युद्धविराम हो गया है। क्यों? हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहते थे कि अगर पाकिस्तान घुटने टेकने को तैयार था, तो आपने क्यों रोका और किसके सामने आत्मसमर्पण किया? अमेरिकी राष्ट्रपति ने 26 बार कहा है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को युद्धविराम की घोषणा करने के लिए मजबूर किया। सरकार ने कहा है कि कोई मध्यस्थता नहीं हुई थी और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त होने के बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क किया था।

संसद में दरकिनार हुए मनीष तिवारी, कांग्रेस को दो टूक! जो खामोशी न समझे, वो शब्द क्या समझेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के लिए वक्ताओं की सूची से खुद को और अपने साथी सांसद शशि थरूर को बाहर रखे जाने पर अपनी पार्टी पर कटाक्ष किया। आनंदपुर साहिब से सांसद ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में एक समाचार लेख का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें वक्ताओं की सूची से उन्हें बाहर किए जाने पर प्रकाश डाला गया था। तिवारी ने 1970 की फिल्म पूरब और पश्चिम के प्रसिद्ध देशभक्ति गीत षहै प्रीत जहाँ की रीत सदाष के बोल भी साझा किए।

इसके बाद मनीष तिवारी की नराजगी की खबरें चर्चा में है। उन्होंने मीडिया से कहा, षअंग्रेजी में एक कहावत है– अगर आप मेरी खामोशी को नहीं समझते, तो आप मेरे

शब्दों को कभी नहीं समझ पाएंगे। सूत्रों ने बताया कि तिवारी चर्चा में भाग लेना चाहते थे और उन्होंने विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) के कार्यालय को एक पत्र लिखकर बोलने की इच्छा भी जताई थी। हालाँकि, कांग्रेस ने उन्हें मैदान में उतारने का फैसला नहीं किया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस सांसद अमर सिंह को भी कांग्रेस ने बहस में बोलने के लिए नहीं चुना।

थरूर के मामले में, कांग्रेस ने केरल के सांसद से चर्चा के दौरान बोलने का अनुरोध किया था। हालाँकि, सूत्रों के अनुसार, थरूर ने यह कहते हुए निमंत्रण अस्वीकार कर दिया कि वह ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना में पार्टी लाइन का पालन नहीं कर पाएँगे। थरूर ने पार्टी नेतृत्व को बताया कि जब भी वह विदेश यात्रा पर जाते हैं, तो उनका यह विचार हमेशा से रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा है और वे इस लाइन से विचलित नहीं हो सकते। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वह संसद में बोलेंगे, तो वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अपनी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह षमौन व्रत पर हैं।

Created by Universal Document Converter

सम्पादकीय

विपक्ष के हर वार को पीएम मोदी ने किया नाकाम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब जवाब देने के लिए खडे हुए तो शायद विपक्ष को भी ये अंदाजा नही रहा होगा कि प्रधानमंत्री विपक्ष को इस कदर एक.एक प्वाइंट पर इतना करारा पलटवार करेंगे । उनके भाषण में तथ्य थाए आक्रामकता थीए विपक्ष पर वार था और सेना के शौर्य का गुणगान था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बात की शुरुआत ही विजयोत्सव से की और साफ कहा कि ये विजयोत्सव आतंकियों के हेडक्वार्टर को मिट्टी में मिलाने का हैए ये विजयोत्सव सिंदूर की सौगंध पूरा करने का हैए ये विजयोत्सव सेना के शौर्य की विजयगाथा है ।

प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी बात विस्तार से रखते उससे पहले ही उन्होंने ये बता दिया कि लोकसभा में उनका ये बयानए उन लोगों को आईना दिखाने का प्रयास हैए जिन्हें भारत का पक्ष नहीं दिखता है । उन्होंने पहलगाम हमले को भारत को हिंसा की आग में झोंकने की सुविचारित प्रयास करार दिया और कहा कि हमले के बाद ही पहलगाम के बाद सेना को कार्रवाई की खुली छूट दी गयी थी।

पीएम मोदी का ये बयान राहुल गांधी के उस आरोप का पलटवार थाए जिसमें नेता विपक्ष ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना को खुली छूट नही थी । ऑपरेशन सिंदूर में सेना के शौर्य की पीएम मोदी ने खुलकर सराहना की और कहा कि आतंकियों को ऐसी सजा दी गयी कि आज भी आतंक के उन आकाओं की नींद उड़ी हुई है । प्रधानमंत्री ने बताया कि हमारी सेना ने 22 मिनट में 22 अप्रैल का बदला निर्धारित लक्ष्य के साथ ले लिया।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की हालत को बयां करते हुए कहा कि हमले ने पाकिस्तान के कोने.कोने में आतंकी अड्डे को धुंआ.धुंआ कर दिया और पाकिस्तान की परमाणु धमकी को भी झूठा साबित कर दिया। उन्होंने कहा कि हालत ये है कि आज तक पाकिस्तान के कई एयरबेस आईसीयू में पड़े हैं । पीएम ने पाकिस्तान को कडा संदेश दिया और कहा कि न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग न चलेगी और न भारत इसके आगे झुकेगा।

प्रधानमंत्री ने एक और बात साफ कर दी कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है और अगर पाकिस्तान ने दोबारा दुस्साहस किया तो उसे करारा जवाब मिलेगा । विदेश नीति के मसले पर लोकसभा में चर्चा के दौरान तमाम विपक्षी नेताओं ने सवाल किया और पूछा कि आखिरकार संघर्षविराम किसके दबाव में हुआ। प्रधानमंत्री ने सख्त लहजे में बता दिया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत को ऑपरेशन रोकने के लिए नहीं कहा था ।

उन्होंने देश को बताया कि 9 मई को अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन्हें फोन करके बताया था पाकिस्तान बहुत बड़ा हमला करने वाला हैए इस पर उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति को साफ कह दिया था कि अगर पाकिस्तान का हमले का इरादा है तो उसे बहुत महंगा पड़ेगा। उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति को साफ शब्दों में बता दिया कि भारत गोली का जवाब गोले से देगा।

इजरायल के अरमानों पर एमबीएस ने फेरा पानी, टूट जाएगा ट्रंप का अब्राहम अकॉर्ड्स 2.0 का सपना?

अभिनय आकाश

इजरायल के अरमानों पर खाड़ी देश ने पानी फेर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका के अब्राहम अकॉर्ड वाले सपनों को भी इससे करारा जटका लगा है। विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने संयुक्त राष्ट्र में फ्रांस के विदेश मंत्री जीन–नोएल बैरोट के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि सऊदी अरब ने एक बार फिर इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने से इनकार कर दिया है, जब तक कि एक संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना नहीं हो जाती। प्रिंस फैसल ने दृढ़ता से कहा कि सऊदी अरब के लिए, इजरायल के साथ संबंध सामान्यीकरण केवल एक फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के माध्यम से ही हो सकता है। इजरायल के साथ रिश्ते तब तक सामान्य नहीं करेगा जब तक कि अलग फलस्तीन देश को मान्यता नहीं मिल जाती है। साथ ही गाजा युद्ध का खात्मा भी करना होगा।

अब्राहम अकॉर्ड्स 2.0 पर फिरा पानी

आपको ट्रंप के पहले कार्यकाल का ऐतिहासिक अब्राहिम अकॉर्ड तो याद ही होगा। इस डील के तहत पहली बार यूएई, बहरीन, मोरक्को और सूडान जैसे मुस्लिम देशों ने इजरायल के साथ अपने रिश्ते सामान्य किए थे। ये मीडिल ईस्ट के लिए गेमचेजर था। तब से ही सब इतजार कर रहे थे कि देशों में से एक बताया, जिन्हे ट्रम्प समझौते में शामिल करने के लिए उत्सुक है, उन्होने इस साल की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति की मध्य पूर्व यात्रा के दौरान सऊदी

अरब में उनकी ऐतिहासिक बैठक का उल्लेख किया। हालांकि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के करीबी और विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में यह ऐलान करके इजरायल और अमेरिका दोनों को अब तक का सबसे स्पष्ट संदेश दे दिया।

गाजा भुखमरी को लेकर नेतन्याहू पर भड़के ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा में मानवीय संकट और यूक्रेन युद्ध को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिए। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर के साथ स्कॉटलैंड के टर्नबेरी स्थित अपने गोल्फ क्लब में हुई बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा कि वे इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के इस दावे से सहमत नहीं हैं कि ग्गाजा में भुखमरी नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि मैंने टीवी पर गाजा के बच्चों की तस्वीरें देखीं, वे बहुत भूखे नजर आ रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें खाना मिले। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका गाजा में मानवीय सहायता भेजने को प्रतिबद्ध है। उन्होने कहा, ग्इसराइल को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खाना लोगों तक पहुचे।

WHO ने गाजा को लेकर दी चेतावनी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने चेतावनी दी है कि गाजा पट्टी में कुपोषण की स्थिति चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुकी है और यह खतरनाक दिशा में बढ़ रही है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात ने मिलकर गाजा में 25 टन राहत सामग्री एयरड्रॉप की। संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने कहा कि शुरुआती रिपोर्टों से संकेत मिला है कि इस्राइल ने कुछ आवाजाही प्रतिबंधों में ढील दी है। उन्होंने बताया कि रविवार को 100 से अधिक ट्रक राहत सामग्री लेकर गाजा की ओर रवाना हुए। उन्होंने कहा कि यह एक प्रगति है लेकिन अकाल और स्वास्थ्य आपदा को टालने के लिए बहुत अधिक मदद की जरूरत है।

फ्रांस के राष्ट्रपति का फिलिस्तीन पर चौंकाने वाला कदम

फ्रांस का यह कदम उन पश्चिमी देशों के लिए संकेत है जो मान्यता देने पर सोच रहे हैं लेकिन अकेले आगे नहीं बढ़ना चाहते। फ्रांस दो–राष्ट्र समाधान (इस्राइल और फलस्तीन) चाहता है। फ्रांस पहला बड़ा पश्चिमी देश है जिसने यह कदम उठाया है। इससे पहले तीन स्पेन, आयरलैंड और नॉर्वे ने 2024 में फलस्तीन को मान्यता दी थी, लेकिन वे छोटे देश माने जाते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों कई महीनों से इस विचार पर काम कर रहे थे। अगले हफ्ते फ्रांस और सऊदी अरब मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कर रहे हैं, उसी से पहले फ्रांस ने यह ऐलान कर दुनिया को एक मजबूत संदेश देने की कोशिश की है। फ्रांस की संसद 2014 में पहले ही फलस्तीन को मान्यता देने के पक्ष में एक प्रस्ताव पास कर चुकी है।

दो दिन की यात्रा में ही मोदी ने तमिलनाडु की राजनीति के सारे पत्ते फेंट दिये

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की दो दिवसीय तमिलनाडु यात्रा ने न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है, बल्कि अन्नाद्रमुक (AIADMK) कार्यकर्ताओं के लिए भी यह एक बड़ा उत्साहवर्धन साबित हुई। आगामी 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले इस यात्रा को भाजपा–एआईएडीएमके गठबंधन को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

हम आपको बता दें कि मोदी ने हवाई अड्डे पर अन्नाद्रमुक प्रमुख ई.के. पलानीस्वामी (EPS) और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं जैसे के.पी. मुनुसामी, एस.पी. वेलुमणि और थालावई सुंदरम से मुलाकात की। यह मुलाकात इस बात का संकेत मानी जा रही है कि भाजपा, एआईएडीएमके को गठबंधन में अहमियत दे रही है। प्रधानमंत्री ने ओ पन्नीरसेल्वम (OPS) से दूरी बनाकर यह संदेश भी दिया कि गठबंधन में वही पार्टियां रहेंगी जिन पर भाजपा को भरोसा है। भाजपा नेताओं के अनुसार, इस यात्रा ने जमीनी स्तर पर विश्वास और सामंजस्य बढ़ाया है, जिससे एआईएडीएमके कार्यकर्ताओं के मन में पहले जो आशंका थी कि मैं को भाजपा दबाव में रखती है, वह अब कम हो गई है। एआईएडीएमके कार्यकर्ताओं ने मोदी के त्रिची रोड शो में बड़ी संख्या में भाग लेकर गठबंधन के प्रति अपनी निष्ठा प्रदर्शित की। भाजपा नेताओं का कहना है कि वह भी आने वाले समय में इसका पूरा प्रत्युत्तर देंगे।

हम आपको यह भी बता दे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु यात्रा के दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई से भी मुलाकात की। यह मुलाकात कई स्तरों पर महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि पिछले कुछ महीनों से तमिलनाडु भाजपा में आंतरिक गुटबाजी और मतभेदों की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। अन्नामलाई के साथ प्रधानमंत्री की सार्वजनिक नजदीकी ने उनके विरोधी खेमों को संकेत दिया है कि केंद्रीय नेतृत्व को उन पर पूरा भरोसा है। साथ ही गठबंधन में OPS की भूमिका कम होती जा रही है। एआईएडीएमके ने पहले ही मैं को पार्टी से बाहर कर दिया है और भाजपा भी यह संदेश दे रही है कि वह मैं (ई.के. पलानीस्वामी) के नेतृत्व को ही गठबंधन का प्रमुख चेहरा मानती है। माना जा रहा है कि मैं जल्द ही खुद एनडीए छोड़ देंगे।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण था उनका गंगईकोंडा चोलापुरम मंदिर में जाना। यह मंदिर चोल वंश की गौरवगाथा का प्रतीक है और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। मोदी ने पारंपरिक तमिल परिधान वेष्टी और अंगवस्त्रम पहनकर मंदिर में पूजा–अर्चना की और आदि तिरुवातिरै उत्सव में भाग लिया। यह यात्रा राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के अवसर पर हुई, जिन्हें दक्षिण–पूर्व एशिया तक साम्राज्य का विस्तार करने वाले महान शासकों में गिना जाता है। भाजपा सांस्कृतिक रूप से तमिल गौरव को सम्मान देना चाहती है साथ ही द्रविड़ के 'कोंगाड़ी विमर्श का जवाब देना चाहती है जिसमें भाजपा पर तमिलनाडु के इतिहास को 'मिटाने का आरोप लगाया जाता है। साथ ही पार्टी यह दिखाना चाहती है कि भाजपा तमिल संस्कृति, भाषा और परंपराओं के सम्मान में किसी से पीछे नहीं है।

मोदी की यात्रा ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भाजपा और एआईएडीएमके का गठबंधन स्थायी और विश्वास पर आधारित है। इससे कार्यकर्ताओं के मन में जो असमंजस था, वह दूर हुआ है। देखा जाये तो रोड शो और मंदिर यात्रा जैसे आयोजनों ने दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को साथ आने का मंच दिया, जिससे चुनावी मोर्चे पर तालमेल बेहतर होगा। साथ ही भाजपा तमिल सांस्कृतिक प्रतीकों के माध्यम से डीएमके के तमिल पहचान के विमर्श को चुनौती दे रही है।

हम आपको यह भी बता दे कि तमिलनाडु लंबे समय से द्रविड़ राजनीति और पेरियारवादी विचारधारा का गढ़ रहा है, जहां हिंदुत्व आधारित राजनीति को अपेक्षाकृत कम सफलता मिली है। इसलिए भाजपा के सामने कुछ चुनौतियां हैं। जैसे– तमिलनाडु में धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय पर आधारित राजनीति की मजबूत परंपरा है। साथ ही यहां मतदाता हिंदुत्व से ज्यादा आर्थिक विकास, क्षेत्रीय गौरव और सामाजिक कल्याण योजनाओं को महत्व देते हैं।

हालांकि भाजपा ने अपने हिंदुत्व कार्ड को सांस्कृतिक तमिल गौरव के साथ जोड़ने की कोशिश की है। गंगईकोंडा चोलापुरम जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी इसी रणनीति का हिस्सा है। यदि भाजपा इस विमर्श को स्थानीय पहचान के सम्मान के साथ संतुलित कर पाती है, तो वह धीरे–धीरे तमिलनाडु में अपनी स्वीकार्यता बढ़ा सकती है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की तमिलनाडु यात्रा न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही बल्कि भाजपा–एआईएडीएमके गठबंधन को एक नया राजनीतिक आयाम भी दे गई। 2026 विधानसभा चुनाव में यह गठबंधन डीएमके के लिए गंभीर चुनौती पेश कर सकता है। हालांकि भाजपा को यह समझना होगा कि तमिलनाडु में हिंदुत्व कार्ड सीधे सीधे चलाना थोड़ा कठिन होगा। सफलता तभी मिलेगी जब भाजपा स्थानीय सांस्कृतिक गौरव, विकास और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को साथ लेकर आगे बढ़े।

Created by Universal Document Converter

पाकिस्तान में लगा आतंकियों का मेला, पूरी दुनिया में सत्ता और टेरर का कॉकटेल अकेला

अभिनय आकाश

अधिकतर देशों में खेल जगत के सितारे, सेलिब्रेटी, इंफ्लूएंशर्स और राजनेता की रैली में उन्हें सुनने के लिए प्रशंसकों की भीड़ आती है। लेकिन पाकिस्तान के मामले में कहानी थोड़ी उलट है। हो भी क्यों न, आखिर देश की दुनिया में अनूठा है। पड़ोसी मुल्क के मामले में तमाम स्टार्स और पॉलिटिशियंस नहीं बल्कि लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद जैसे संगठनों से जुड़े आतंकवादी भीड़ को अपनी ओर खिंचने का काम करते है। पहलगाम में 26 हत्याओं का मास्टरमाइंड पाकिस्तान में खुले मंच से एक बयान दे रहा है। वो कह रहा है कि भारत ने मुझपर पहलगाम हमले का इल्जाम लगाया। अब पूरी दुनिया मेरा नाम जानती है। 28 मई से ये बयान छाया हुआ है। जिस मंच से सैफुल्लाह कसूरी ने ये बातें कहीं है। आसपास कई लोग बैठे नजर आए। पाकिस्तान का ये आतंकी शुरुआत में छिप छिप कर घूमता रहा। लेकिन अब ये सरेआम मंचों पर दिख रहा है। हमने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिसके बाद आतंकी ठिकाने ध्वस्त हो गए। लेकिन ये तस्वीर अभी भी गवाही दे रही है कि पाकिस्तान सुधरने वाले मुल्कों में से नहीं है। किस तरह से शहबाज के दो मंत्री मंच पर आतंकियों के साथ बैठे नजर आए। पाकिस्तान अपनी जमी से आतंकवाद को फैला रहा है। पाकिस्तान का आतंकियों को समर्थन वाला चेहरा भी बेनकाब हो रहा है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का कसूर जिला जहां एक सार्वजनकि रैली में सैफुल्लाह के साथ साथ लश्कर ए तैयबा को बनाने वाले हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद भी नजर आया। लेकिन सबसे दिलचस्प तो इन आतंकियों के बीच शहबाज सरकार के दो मंत्रियों की मौजूदगी रही। सेना से जुड़े कुछ लोग भी इस दौरान नजर आए।

आतंकियों का मेला

लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के कमांडर सैफुल्लाह कसूरी जब मंच पर भाषण दे रहा था तो पाकिस्तान के खाद्य मंत्री मलिक रशीद अहमद खान और पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष मलिक मुहम्मद अहमद खान वहीं कुर्सी पर बैठकर उसका भाषण सुन रहे थे। पाकिस्तान के परमाणु परीक्षणों के वार्षिक स्मरणोत्सव यौम–ए–तकबीर के अवसर पर पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) द्वारा रैली आयोजित की गई। ये वो दिन है जब पाकिस्तान अपने परमाणु परिक्षण की वर्षगांठ मनाता है। लेकिन हमेशा की तरह इस बार भी भारत के खिलाफ अपनी नापाक मंशा जाहिर की गई है और इसके साथ ही आतंकियों को पाकिस्तान ने अपना राष्ट्रीय प्रतीक बताया है। आयोजन के बीच सैफुल्लाह कसूरी मंच पर आकर 24 मिनट लंबा भाषण देता है। वो कहता है कि पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया गया, अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर है। भीड़ को संबोधित करते हुए कसूरी ने मुदस्सिर शहीद के नाम पर बहावलपुर के इलाहाबाद में एक सेंटर, सड़क और अस्पताल बनाने की योजना की घोषणा की। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, मुदस्सिर अहमद पहलगाम नरसंहार के बाद भारत के जवाबी ऑपरेशन सिंदूर हमलों में मारे गए कई हाई–प्रोफाइल आतंकवादी गुर्गों में से एक था। कसूरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले के भाषण का संदर्भ देते हुए आगे कहा कि वह गोलियों से नहीं डरता। कसूरी ने कहा कि नरेंद्र मोदी समझते है हम गोलियों से डरने वाले हैं? ये उसकी भूल है। लश्कर–ए–तैयबा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और पाकिस्तान के भीतर प्रतिबंधित है, पीएमएमएल जैसे समूहों ने इसके नेतृत्व को राजनीतिक और वैचारिक प्रासंगिकता बनाए रखने में सक्षम बनाया है।

आतंकियों की रैली सुनने के लिए शहबाज के मंत्री भी आते है

इससे भी ज्यादा चौकाने वाली बात यह है कि रैली करने वाले आतंकवादी में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के साथ–साथ सरकारी अधिकारी भी मौजूद थे। कसूरी लगातार भारत विरोधी टिप्पणियाँ कर रहा था तो पाकिस्तान के खाद्य मंत्री मलिक रशीद अहमद खान और पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष मलिक मुहम्मद अहमद खान दोनों ही भीड़ में मौजूद थे। मंत्रियों ने व्यक्तिगत रूप से कसूरी का मंच पर स्वागत किया और उन्हें गले लगाया। मंत्री मलिक रशीद ने खुले तौर पर घोषणा की कि आज 24 करोड़ पाकिस्तानियों का प्रतिनिधित्व हाफिज सईद और सैफुल्लाह कसूरी जैसे लोग कर रहे हैं।

बदनाम हुआ तो क्या नाम तो हुआ

रैली में कसूरी के साथ–साथ संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी तल्हा सईद भी शामिल हुआ। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी और 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद ने भी भारत के खिलाफ जहर उगलने में कोई कमी नहीं छोड़ी। 28 मई को आयोजित रैली के वीडियो क्लिप में तल्हा सईद को अन्य राजनेताओं के साथ मंच पर पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष मलिक अहमद खान का स्वागत करते हुए दिखाया गया है। हाफिज सईद के साथ–साथ फील्ड मार्शल असीम मुनीर के पोस्टर भी इस रैली में लगे हुए थे। रैली के दौरान उसने कहा कि आज पाकिस्तान से भारत के लिए एक संदेश आया है। हमने ऑपरेशन बनयान अल–मर्सूस में जीत हासिल की है और अल्लाह को यहां हमारी मौजूदगी स्वीकार करनी चाहिए। मैं मंच पर मौजूद पंजाब विधानसभा के स्पीकर मलिक अहमद खान, मलिक राशिद खान और सैफुल्लाह खालिद का शुक्रिया अदा करता हूं। मैं अपने पिता हाफिज सईद की ओर से पाकिस्तान के लोगों को भी सलाम करता हूं। मै यहां आपको यह बताने आया हूं कि भगवान जिहाद करने वालों से प्यार करते है। आपको बता दें कि लगभग 50 वर्षीय तल्हा लश्कर–ए–तैयबा का वरिष्ठ नेता है और प्रतिबंधित संगठन के मौलवी विंग का प्रमुख है। भारत ने पाया है कि वह भारत में लश्कर–ए–तैयबा द्वारा भर्ती, धन संग्रह, योजना बनाने और हमलों को अंजाम देने तथा अफगानिस्तान में भारतीय हितों के लिए सक्रिय रूप से शामिल है। तल्हा ने पहलगाम आतंकी हमले को भी 'ड्रामा' बताया और कहा कि उनके पिता राज्य के शांतिपूर्ण संरक्षण में हैं, जिससे पाकिस्तान के आतंकवाद घोटाले का पर्दाफाश हो रहा है। तल्हा पहले भी पाकिस्तान में अन्य रैलियों में दिखाई दे चुके है। इससे पहले फरवरी में उन्होंने लाहौर में पाकिस्तान के तथाकथित 'कश्मीर एकजुटता दिवस' पर एक रैली में भड़काऊ भाषण दिया था, जिसमें उन्होंने "किसी भी कीमत पर कश्मीर को भारत से आजाद कराने" की कसम खाई थी।

हाफिज सईद का भारत विरोधी बयान

कसूरी और तल्हा सईद की रैली से पहले आतंकवाद पर पाकिस्तान का दोहरा चेहरा तब उजागर हुआ जब 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को मंच पर आकर भारत के खिलाफ बोलने की अनुमति दी गई। पिछले कुछ सालों में, 2018 और 2019 में हाफिज सईद ने कई रैलियाँ की हैं, जिसमें उसने अपने अनुयायियों से भारत के कथित कश्मीरियों पर कार्रवाई के खिलाफ खड़े होने का आग्रह किया है। उसे पाकिस्तानी मंत्रियों के साथ सार्वजनिक स्थान साझा करते हुए भी देखा गया है। सितंबर 2018 में पाकिस्तान के धार्मिक मामलों और अंतर–धार्मिक मामलों के मंत्री नूर–उल–हक कादरी ने सईद के साथ एक मंच पर भी वो नजर आ चुका है। उसी वर्ष दिसंबर में पाकिस्तान के गृह राज्य मंत्री शहरयार खान अफरीदी ने हाफिज सईद और उसके आतंकी संगठन को अपनी सरकार का खुले तौर पर समर्थन व्यक्त किया था। सितंबर 2013 में 10 मिलियन डॉलर का इनाम रखने वाला आतंकवादी, इस्लामाबाद में एक रैली में खुलेआम दिखाई दिया। 10,000 से ज्यादा लोगों को संबोधित करते हुए उसने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत हमसे बहुत नाराज है। इसका मतलब है कि अल्लाह हमसे बहुत खुश है। हम कश्मीर की आजादी के लिए हर बलिदान के लिए तैयार हैं।

जैश–ए–मोहम्मद के मसूद अजहर ने भारत के खिलाफ जिहाद का किया आह्वान

फरवरी 2014 में जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) के प्रमुख मसूद अजहर, जो भारत में 2001 के संसद हमले के पीछे का व्यक्ति था, ने भी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद में एक रैली में देश के खिलाफ जहर उगला था। रैली में उसके हजारों समर्थक शामिल हुए थे, जिन्हें बसों से कार्यक्रम स्थल तक लाया गया था। भारत ने इस्लामाबाद के साथ इस मुद्दे को उठाया, तो विदेश कार्यालय ने उसकी उपस्थिति को एक बार की घटना बताकर कमतर आंकने की कोशिश की। अजहर के सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह कोई आकस्मिक घटना नहीं लगती। उन्होंने इस घटना को विश्व समुदाय और पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए "परेशान करने वाली घटना" बताया।

बालों से लेकर स्किन तक के लिए फायदेमंद है सरसों की खली, बागवानी में भी कर सकते हैं इस्तेमाल

अनन्या मिश्रा

सरसों की खली में कई तरह के विटामिन, फाइबर, पोटैशियम, मिनरल, आयरन और कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। पुराने जमाने में बालों को साफ करने के लिए सरसों की खली का इस्तेमाल किया जाता है। यह ऑयली और ड्राई हर तरह के बालों के लिए फायदेमंद होता है। हांलाकि इन दिनों सरसों की खली ऑर्गेनिक खाद का हिस्सा बनकर रह गई है। बता दें कि दादी–नानी सप्ताह में दो बार बालों को धोने के लिए सरसों की खली का इस्तेमाल किया करती थीं।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए आपको सरसों की खली और इसके इस्तेमाल के तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं। आप सरसों की खली को मार्केट या फिर किसी ऑर्गेनिक खाद की दुकान से खरीद सकती हैं। इसका इस्तेमाल बालों को साफ करने के साथ ही हेयर मास्क और फेस मास्क के तौर पर भी इस्तेमाल में लाई जा सकती हैं।

घने मुलायम काले बाल

आज के दौर में बालों के झड़ने की समस्या नॉर्मल है। गांव आदि में जिन लोगों के बाल अधिक झड़ते हैं, उनको सरसों की खली लगाने की सलाह दी जाती है।

दरअसल, फंगल इंफेक्शन या फिर बैक्टीरिया की वजह से बाल झड़ते हैं। वहीं सरसों की खली एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुणों से भरपूर होती है। साथ ही स्कैल्प से हर तरह का इंफेक्शन दूर करती है।

सरसों की खली में मौजूद विटामिन ए, ई, एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स बालों की ग्रोथ में सहायक होते हैं।

हेयर न्यूट्रीशन

आपको बता दें कि सरसों की खली को मस्टर्ड केक भी कहा जाता है। क्योंकि खली में थोड़ी मात्रा में तेल बचा रहता है। ऐसे में इसे बालों पर अप्लाई करने से बालों की चमक बढ़ने के साथ ही चिकनापन भी आता है। वहीं तेल में मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड और प्रोटीन स्कैल्प और बालों को हेल्दी बनाने का काम करता है।

कंडीशनर

सरसों की खली में अल्फा फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में यह बालों के लिए कंडीशनर की तरह भी काम करता है।

हेयर मास्क

सरसों की खली को मिल्सी में पीसने के बाद इसमें थोड़ा सा पानी और एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। फिर इसको बालों में लगाकर छोड़ दें। करीब 30 मिनट तक इस पैक को लगाए रहने के बाद बाल धो डालें। इससे हेयर फॉल और डैंड्रफ की समस्या कम होगी।

सरसों की खली का पाउडर दही के साथ मिला लें। फिर इस पेस्ट को बालों की जड़ों में अच्छे से अप्लाई करें। वहीं इस हेयर मास्क को हटाने से करीब 10 मिनट पहले गर्म पानी में तौलिया निचोड़कर इसको बालों में अच्छे से लपेट लें। इसके बाद किसी हर्बल शैंपू से बालों को अच्छे से धो लें।

फेस मास्क

ड्राई स्किन के लिए सरसों की खली काफी लाभकारी होता है। आप सरसों की खली के पाउडर को नींबू या दही के साथ अच्छे से मिक्स कर फेस पर अप्लाई कर सकती हैं। इससे चेहरे के दाग–धब्बे दूर होते हैं और चेहरा चमकदार बनेगा।

सरसों की खली के फायदे

बालों को मजबूत और घना बनाएं।

बालों को संपूर्ण पोषण मिलता है।

यह एक कुदरती हेयर क्लींजर है।

सरसों की खली का कंडीशनिंग के लिए इस्तेमाल करें।

इसका हेयर मास्क के तौर पर इस्तेमाल करें।

सरसों की खली और दही का हेयर मास्क बनाएं।

फेस मास्क के रूप में भी सरसों की खली का इस्तेमाल कर सकते हैं।

किचन या टैरिस गार्डन

बागवानी में भी सरसों की खली का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं पौधों की देखभाल करने के लिए सरसों की खली को आप कूट कर या लिक्विड के तौर पर इस्तेमाल कर पेड़ों की जड़ों में डाल सकते हैं। इससे पेड़ में कीड़े नहीं लगेंगे।

ऐसे बनाएं खाद

बता दें कि सरसों की खली से 3 दिन में खाद तैयार होती है और 15 दिन तक खेत में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। खाद बनने में 5 दिन तक का समय लग सकता है। सरसों की खली को मिट्टी के बर्तन में 1 लीटर पानी डालें और फिर इसमें सरसों की खली डालें। फिर इसको ढककर रख दें।

इसको हर दिन खोलकर एक बार इसको लकड़ी से हिला दें। गर्मियों में रोजाना इसमें थोड़ा सा पानी डालना पड़ता है। इसको आप फूल आदि के पौधों के गमले में डाल सकते हैं।

वजन घटाने के लिए डिनर में शामिल करें ये 5 स्वू Calorie फूड्स

दिव्यांशी भदौरिया

हम सभी फिट और आकर्षक दिखने के लिए क्या नहीं करते? शरीर के बढ़ा हुआ वजन को कम करने के लिए कई तरह के डाइट प्लान अपनाने लगते हैं। वजन घटाने के लिए कम कैलारी वाला फूड का सेवन करना काफी जरुरी है। वजन घटाने को बढ़ावा देने के लिए कम कैलोरी वाला हल्का डिनर लेना आवश्यक है। यहां वजन कम करने के लिए कम कैलोरी वाले रात्रिभोज के कुछ विकल्प दिए गए हैं।

चिकन ब्रेस्ट

सब्जियों के साथ पकाया गया चिकन ब्रेस्ट आपके वजन घटाने वाले आहार में स्वस्थ कार्ब्स, लीन प्रोटीन और विटामिन जोड़ने के लिए एक बेहतर डिनर विकल्प हो सकता है।

ओट्स

सीड्स, मेवे और फलों के साथ ओट्स का एक कटोरा आपकी भूख को संतुष्ट करने और वजन घटाने को बढ़ावा देने के लिए एक आदर्श भोजन हो सकता है

चना

चने वजन घटाने के लिए आवश्यक प्रोटीन और विटामिन से भरपूर होते हैं। आप इसे रात के खाने में चपाती के साथ मिला सकते हैं।

ग्रीन सलाद

पालक, केल, मटर, ब्रोकोली और गाजर जैसी उबली हुई सब्जियों से युक्त सब्जी सलाद का एक कटोरा वजन घटाने में सहायता के लिए आपके डिनर के लिए आदर्श हो सकता है।

खिचड़ी

दाल, सब्जियों और ब्राउन राइस से बनी एक कटोरी खिचड़ी आपकी भूख को शांत करने और वजन घटाने में मदद करने के लिए सबसे बेस्ट रात्रिभोज विकल्प हो सकता है।

अगर आप भी हैं वर्किंग वूमेन तो फॉलो करें ये हेल्दी लाइफस्टाइल, दूर होंगी सेहत संबंधी समस्याएं

अनन्या मिश्रा

वर्किंग वूमेन के लिए स्वास्थ्य संबंधी कई चुनौतियां रहती हैं। घर पर ऑफिस के चक्कर में महिलाएं अक्सर खुद को भूल जाती हैं। जिसका सीधा असर उनकी सेहत पर देखने को मिलता है। क्योंकि वर्किंग महिलाएं घर, परिवार और ऑफिस के बीच खुद की फिटनेस पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर देखने को मिलता है। जिसके कारण वर्किंग महिलाओं को कई तरह की समस्याएं झेलनी पड़ती हैं। फिटनेस पर ध्यान न देने पर महिलाओं की फिजिकल और मेंटल हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित होती है।

ऐसे में अगर आप भी वर्किंग वूमेन है, तो यह आर्टिकल आपके लिए हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेल्दी लाइफस्टाइल से जुड़े कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने से आप बिलकुल फिट एंड फाइन रहेंगे।

हेल्दी लाइफस्टाइल के टिप्स

वर्किंग महिलाएं घर–परिवार का ध्यान रखते–रखते अपने खानपान पर सही से ध्यान नहीं दे पाती हैं। जिसका उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए ऑफिस निकलने के दौरान हेल्दी नाश्ता करना न भूलें। साथ ही लंच और डिनर को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बरतने से बचना चाहिए। वही बाहर का अनहेल्दी खाने से बचना चाहिए और हेल्दी ऑप्शन कर फोकस करना चाहिए।

कई बार दिन भर काम करने की वजह से पानी का सही मात्रा में सेवन कर पाती हैं। जिसका असर उनकी सेहत पर पड़ने लगता है। इसकी वजह से डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है। जो आगे चलकर कई तरह की समस्याओं को जन्म दे सकती है। इसलिए पूरा दिन में थोड़ा–थोड़ा पानी पीते रहना चाहिए। इससे आपका शरीर हाइड्रेट बना रहेगा।

ऑफिस का काम और फैमिली प्रेशर के चलते वर्किंग महिलाएं अपनी नींद नहीं पूरी कर पाती हैं। ऐसे में इस गलती को भी करने से बचना चाहिए। कम से कम 7–8 घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए। इसके लिए आप रोजाना सोने और सुबह जागने का समय फिक्स कर सकें।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें, तो दिन में कम से कम 20–30 मिनट का समय एक्सरसाइज के लिए जरूर निकालना चाहिए। आप योग भी शामिल कर सकते हैं। रोजाना योग और एक्सरसाइज करने से आप दिनभर एक्टिव और एनर्जेटिक बनी रहेंगी। जिसका आपकी वर्किंग लाइफ पर पॉजिटिव असर देखने को मिलेगा।

ऑफिस और परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करते–करते महिलाएं अक्सर खुद को भूल जाती हैं। जिसकी वजह से महिलाएं अपनी सेहत पर ज्यादा फोकस नहीं कर पाती हैं। इस वजह से उनको कई परेशानियां उठानी पड़ती हैं। इसलिए अपनी हेल्थ को बेहतर बनाए रखने के लिए हेल्थ रूटीन चेकअप जरूर कराना चाहिए।

Created by Universal Document Converter

अपने बॉडी टाइप के अनुसार करें दुपट्टा ड्रेप, दिखेंगी बेहद ग्रेसफुल

मिताली जैन

अमूमन लहंगे से लेकर सूट तक में अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए हम सभी दुपट्टे को स्टाइल करना पसंद करती हैं। यह कोई आम कपड़ा नहीं होता है, इसे ड्रेप करने का तरीका आपका पूरा लुक बदल सकता है। चाहे आप कॉलेज के लिए तैयार हो रही हों या फिर किसी पार्टी में जाने की तैयारी हो, लेकिन आप दुपट्टे को किस तरह से ड्रेप करती हैं, यह बहुत अधिक मायने रखता है। दुपट्टा ड्रेप करते हुए अगर आप एक परफेक्ट लुक क्रिएट करने के लिए बॉडी टाइप का ध्यान रखा जाना चाहिए। दरअसल, हर बॉडी टाइप पर हर दुपट्टा स्टाइल अच्छा नहीं लगता। कई बार हम बस फैशन देखकर ट्रेंड फॉलो कर लेते हैं, जिससे पूरा लुक बिगड़ जाता है।

वहीं, जब आप अपने बॉडी टाइप को ध्यान में रखकर दुपट्टा पहनती हैं, तो न सिर्फ आपकी पर्सनैलिटी निखरकर आती है, बल्कि आउटफिट भी काफी अच्छा लगता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आपको अपनी बॉडी टाइप को ध्यान में रखते हुए दुपट्टे को किस तरह ड्रेप करना चाहिए–

पियर शेप बॉडी

अगर आपकी पियर शेप बॉडी तो आपको अपने ऊपर और नीचे के हिस्से में बैलेंस करना जरूरी होता है। इसलिए दुपट्टा स्टाइल करते हुए एक तरफ से दुपट्टा डालें। एक कंधे पर पिन करें और बाकी छोड़ दें। सामने से वी–शेप में दुपट्टा डालें ताकि ध्यान ऊपर जाए। कोशिश करें कि आप हैवी वर्क दुपट्टा स्टाइल करें ताकि नजर ऊपर जाए। कभी भी दुपट्टे को हिप्स के चारों तरफ कसकर न बांधें, इससे हिप्स और उभरकर दिखेंगे।

एप्पल शेप बॉडी

एप्पल शेप बॉडी का ऊपरी हिस्सा भारी व पैर पतले होते हैं। इसलिए दुपट्टे को इस तरह स्टाइल करें, जिससे शरीर लंबा व पतला नजर आए। दुपट्टा ड्रेप करने के लिए दोनों कंधों पर दुपट्टा सीधे और खुला छोड़ें। आप शिफॉन या जॉर्जेट जैसे दुपट्टे को चुनें। साथ ही, दुपट्टा नीचे तक लहराता हुआ रखें ताकि टॉर्सो लंबा दिखे।

ऑवरग्लॉस शेप बॉडी

ऑवरग्लॉस शेप बॉडी में आप दुपट्टे को कई अलग–अलग तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं, जिससे आपका बॉडी शेप को उभरकर नजर आए। ऑवरग्लॉस शेप बॉडी में दुपट्टा पहनते समय एक कंधे पर प्लीट किया हुआ दुपट्टा डालें और कमर में टक करें। इससे बॉडी शेप उभरकर नजर आएगा। आप पर लहंगे वाला क्रॉस दुपट्टा स्टाइल भी अच्छा लगेगा।

पश्चिमी कला के इतिहास में सबसे महान चित्रकार थे विंसेंट वैन गाग, जानिए रोचक बातें

अनन्या मिश्रा

विंसेंट वैन गाग एक डच पोस्ट–इंप्रेशनिस्ट चित्रकार थे। जिनको सबसे महान कलाकारों में माना जाता है। हालांकि उनको अपने जीवनकाल में बहुत कम मान्यता मिली थी। बता दें कि 29 जुलाई 1890 को वैन गाग ने अपने सीने में खुद को गोली मार ली थी। वहीं दो दिन बाद 37 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई थी। वैन गाग के कार्यों ने उनकी मृत्यु के बाद पहचान हासिल की थी। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर विंसेंट वैन गाग के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

नीदरलैंड में 30 मार्च 1853 को एक उच्च–मध्यमवर्गीय परिवार में विंसेंट वैन गाग का जन्म हुआ था। उनको बचपन से ही चित्रकारी का शौक था। लेकिन उनमें मानसिक अस्थिरता के लक्षण भी दिखते थे। युवावस्था में उन्होंने एक कला डीलर के तौर पर काम करना शुरू किया। वह अक्सर

यात्रा करते रहते थे। वान गॉग कला में आधुनिकतावादी रुझानों से अच्छी तरह वाकिफ थे। 1881 में उन्होंने चित्रकला शुरू की, इसमें उनके छोटे भाई थियो ने आर्थिक सहायता प्रदान की।

वान गाग की कृतियां

उनकी शुरुआती कृतियों में ज्यादातर स्थिर जीवन चित्र और किसान मजदूरों के चित्रण शामिल हैं। साल 1888 में वह पेरिस चले गए, जहां पर उनकी मुलाकात कला जगत के अवांट–गार्डे के सदस्यों से हुई। फिर वह कलात्मक आश्रय और कम्यून स्थापित करने के लिए दक्षिणी फ्रांस के आर्ल्स चले गए। जहां पर उनके चित्र अधिक निखरते चले गए और उन्होंने अपना ध्यान प्राकृतिक दुनिया की तरफ लगाया। वान गॉग ने अपनी पहली बड़ी कृति श्द पोटैटो ईटर्सश् और श्किसान चरित्र अध्ययनोंश् की एक श्रृंखला थी। उन्होंने सिर्फ एक दशक में करीब 2,100 कलाकृतियां बनाई थीं।

मानसिक विकारों से पीड़ित थे वान गाग

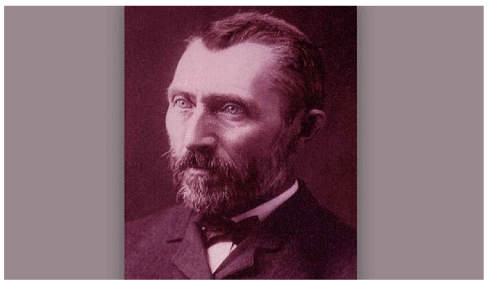

वह मानसिक विकारों और भ्रमों से ग्रस्त थे। वान गाग अक्सर अपने शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते थे। वह खाना कम खाते थे और खराब का सेवन अधिक करते थे। वान गाग ने मनोरोग अस्पतालों में भी समय बिताया। हालांकि हॉस्पिटल से छुट्टी मिलने के बाद वह होम्योपैथिक चिकित्सक पॉल गैशेट की देखभाल में आ गए, लेकिन उनका अवसाद बना रहा।

मृत्यु

अपने जीवन के अंतिम वर्षों में वान गाग ने आलोचनात्मक कलात्मक ध्यान करना शुरू किया। वान गाग के काम को अगले दशकों में व्यापक आलोचनात्मक और व्यावसायिक सफलता मिली। वहीं 29 जुलाई 1890 को वान गाग ने रिवॉल्वर से खुद को सीने में गोली मार ली, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

ब्लड प्रेशर को नेचुरल तरीके से कंट्रोल करने के 3 आसान उपाय, डॉक्टर भी रह जाएंगे हैरान!

अनन्या मिश्रा

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफ में लोग अपने स्वास्थ्य का सही तरीके से ख्याल नहीं रख पा रहे हैं। ऐसे में लोगों को सेहत संबंधी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। खराब खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से बीपी की समस्या बढ़ गई है। हाई बीपी एक गंभीर बीमारी है और कई बार इसके लक्षण भी नहीं पता चलते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसको कंट्रोल नहीं किया गया, तो कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

आज के समय में सिर्फ बड़े लोगों को ही नहीं बल्कि युवाओं को भी यह अपनी चपेट में ले रहा है। ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि ब्लड प्रेशर के हाई होने पर आपको क्या करना चाहिए कि यह फौरन कंट्रोल हो जाए। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं और अचानक से आपका ब्लड प्रेशर हाई हो गया है, तो आपको फौरन कुछ नेचुरल तरीके अपना सकते हैं। आज

इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जिससे आप बिना डॉक्टर और दवा के हाई ब्लड प्रेशर को फौरन कंट्रोल कर सकते है।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज

डीप ब्रीदघ्गि एक्सरसाइज करने से पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम एक्घ्टघ्वि हो जाता है। इससे हार्ट रेट धीमी हो जाती है और ब्लड वेसेल्स को भी आराम मिलता है। कुछ मिनट तक ऐसा करने से ब्लड वेसेल्स जल्दी और नेचुरली तरीके से कंट्रोल हो जाता है।

ठंडे पानी से धोएं चेहरे

अगर अचानक से आपका बीपी बढ़ जाता है, तो आपको फौरन ठंडे पानी से चेहरे को धोना चाहिए। वही पैरों को कुछ देर के लिए ठंडे पानी में भिगोना चाहिए। इससे ब्लड वेसल्स सिकुड़ती है। ऐसा करने से दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर को कम करने में सहायता मिलती है। साथ ही यह चिंता और तनाव कम करता है।

नीबू पानी पिएं

जब भी आपका बीपी बढ़ जाए, तो आपको नीबू पानी पीना चाहिए। इसमें आपको चीनी और नमक नहीं मिलाना है। सादा नीबू पानी पीने से शरीर में पोटैशियम की कमी पूरी होती है। पोटैशियम से सोडियम को कंट्रोल किया जा सकता है। इससे ब्लड वेसेल्स को भी आराम मिलता है। यह ब्लड प्रेशर को नॉर्मल करने में मदद करता है।

विधवा पुनर्विवाह कानून बनवाने में ईश्वर चंद्र विद्यासागर की रही थी अहम भूमिका

अनन्या मिश्रा

19वीं सदी का भारत बदलावों के दौर से गुजर रहा था। एक ओर अंग्रेजी हुकूमत थी, तो दूसरी तरफ समाज में फैली कुरीतियों का अंधेरा फैला हुआ था। ऐसे समय में ईश्वर चंद्र विद्यासागर एक रोशनी की किरण बनकर उभरे। विद्यासागर ने न सिर्फ लोगों की सोच बदली बल्कि शिक्षा के लिए नई राहें भी खोलीं। आज ही के दिन यानी की 29 जुलाई को ईश्वर चंद्र विद्यासागर का निधन हो गया था। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर ईश्वर चंद्र विद्यासागर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

पश्चिम बंगाल के वीरसिंह गांव में 26 सितंबर 1820 को ईश्वर चंद्र विद्यासागर का जन्म हुआ था। उनका परिवार काफी गरीब था, लेकिन उनके

माता–पिता ने ईश्वर चंद्र विद्यासागर को अच्छे संस्कार दिए और शिक्षा की अहमियत भी सिखाई। उन्होंने कठिन हालातों में भी पढ़ाई नहीं छोड़ी और संस्कृत में अपनी पकड़ इतनी मजबूत बनाई कि उनको श्विद्यासागरश् यानी की श्ज्ञान का सागरश् कहा जाने लगा।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ उठाई आवाज

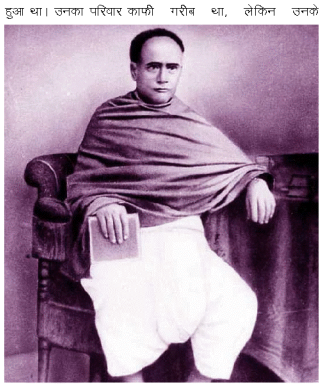

उस समय समाज में विधवाओं की हालत बुरी थी, उनको दोबारा शादी करने का अधिकार नहीं था। बाल विवाह आम था और एक आदमी कई शादियां कर सकता था। विद्यासागर ने समाज में फैली इन गलत प्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाई और विधवा पुनर्विवाह कानून बनवाने में मदद की। इसके साथ ही उन्होंने समाज को सही रास्ता दिखाने के लिए अपने बेटे की एक विधवा से शादी करवाई।

बच्चों के पढ़ाई का हक

विद्यासागर का मानना था कि सिर्फ अमीरों या ब्राह्मणों के लिए शिक्षा नहीं होनी चाहिए। बल्कि यह हर इंसान का हक है। उन्होंने बंगाली भाषा को सरल बनाया, जिससे कि आम लोग पढ़ सकें। विद्यासागर ने कई स्कूल और कॉलेज खोले और लड़कियों को पढ़ने का मौका दिया। उन्होंने गैर ब्राह्मण छात्रों के लिए भी स्कूल के दरवाजे खोले। जोकि उस समय बड़ा और साहसी कदम था।

मृत्यु

ईश्वर चंद्र विद्यासागर का जीवन साहस, सादगी और समाज सेवा का प्रतीक था। वहीं 29 जुलाई 1981 को ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था।

इंदिरा गांधी की सबसे बड़ी आलोचक थीं गायत्री देवी, जेल में किया गया था अमानवीय व्यवहार

अनन्या मिश्रा

आज ही के दिन यानी की 29 जुलाई को जयपुर की महारानी गायत्री देवी का निधन हो गया था। वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में रहने वाली भारत की सबसे खूबसूरत महारानी थीं। गायत्री देवी उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सबसे बड़ी आलोचक थीं। बता दें कि जब देश में आपातकाल लगा, तो गायत्री देवी को गिरफ्तार कर लिया गया था। वह कांग्रेस के खिलाफ स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ती थीं। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर गायत्री देवी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

यूनाइटेड किंगडम के लंदन में 23 मई 1919 को गायत्री देवी का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम जितेंद्र नारायण और मां का नाम इंदिरा देवी था। इनके पिता बंगाल के कूच बिहार के राजा थे। जयपुर के राजा महाराजा सवाई मान सिंह ἰἰ से गायत्री देवी की शादी हुई थी।

इंदिरा गांधी से गायत्री देवी का रिश्ता

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के शांतिनिकेतन से गायत्री देवी की स्कूली शिक्षा हुई थी। वह बचपन से बेहद खूबसूरत थीं। शांतिनिकेतन में ही इंदिरा गांधी भी पढ़ाई करती थीं। ऐसे में गायत्री देवी और इंदिरा गांधी बचपन से एक–दूसरे को जानती थीं और उसी समय से दोनों के बीच रंजिश शुरू हुई। ऐसा भी कहा जाता था कि इंदिरा गांधी को गायत्री देवी की खूबसूरती और प्रसिद्धि से जलन होती थी। वहीं बाद में यह रंजिश राजनीतिक दुश्मनी में बदल गई।

राजनीतिक सफर

गायत्री देवी को कांग्रेस में आने का न्योता पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने दिया था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। साल 1962 में गायत्री देवी ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ स्वतंत्र पार्टी से चुनाव लड़ा और बड़े अंतर से जीत हासिल की। इतनी बड़ी जीत के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ। हालांकि संसद में गायत्री देवी की मौजूदगी इंदिरा गांधी को खास रास नहीं आती थी। एक बार इंदिरा गांधी ने गायत्री देवी को श्कांच की गुड़ियाश् तक कह दिया था।

इमरजेंसी में गईं जेल

देश में आपातकाल लगने के दौरान इंदिरा गांधी के विरोधी नेताओं को मीसा एक्ट के तहत जेल भेजा जा रहा था। इस समय गायत्री देवी मुंबई में इलाज करा रही थीं, तो वह बच गईं, लेकिन वह जैसे ही दिल्ली पहुंची उनको गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान गायत्री देवी 6 महीने तक जेल में रहीं। जेल में रहने के दौरान गायत्री देवी को माउथ अल्सर हो गया, इसके इलाज के लिए अनुमति देने में 3 सप्ताह लगा दिए गए। जेल में गायत्री देवी के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। हालांकि गायत्री देवी और इंदिरा गांधी के बीच आजीवन रंजिश बनी रही। वहीं बाद में गायत्री देवी ने राजनीति छोड़ दी।

मृत्यु

वहीं 29 जुलाई 2009 को जयपुर में 90 वर्ष की आयु में गायत्री देवी का निधन हो गया।

जेआरडी टाटा ने दी थी देश को पहली एयरलाइंस, टाटा ग्रुप को शिखर तक पहुंचाया

अनन्या मिश्रा

आज ही के दिन यानी की 29 जुलाई को जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा का जन्म हुआ था। वह व्यवसायी रतनजी दादाभाई टाटा और उनकी फ्रांसीसी पत्नी सुजैन ब्रिएरे की दूसरी संतान थे। भारतीय उद्योग ही नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय इतिहास में भी जेआरडी टाटा एक सम्मानीय नाम हैं। वह टाटा समूह के लंबे समय तक चेयरमैन रहे और अपने अथक प्रयासों से समूह को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर जेआरडी टाटा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

पेरिस में 29 जुलाई 1904 के जेआरडी टाटा का जन्म हुआ था। इनका बचपन अधिकतर फ्रांस में बीता। वहीं जेआरडी टाटा ने अपनी शिक्षा लंदन, फ्रांस, जापान और भारत से प्राप्त की। इनके पिता का नाम रतनजी दादाभाई टाटा और मां का नाम सुजैन ब्रिएरे था।

प्राप्त किया पहला पायलट लाइसेंस

बता दें कि 10 फरवरी 1929 को जेआरडी टाटा ने भारत में जारी पहला पायलट लाइसेंस प्राप्त किया। फिर उनको भारत में नागरिक उड्डयन के पिता के रुप में जाना जाने लगा। वह टाटा एयरलाइंस के संस्थापक थे, जिसको बाद में एयर इंडिया के नाम से जाना गया। जेआरडी टाटा ने साल 1932 में एयर इंडिया की स्थापना की और इसका नाम टाटा एयरलाइंस पर रखा गया।

खुद भी उड़ाते रहे विमान

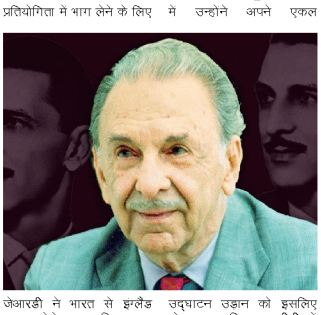

साल 1930 में आगा खान प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए

जेआरडी ने भारत से इंग्लैंड तक अकेले सफर किया था। इसके साथ ही जेआरडी टाटा ने कराची से बंबई की उड़ान भरी थी। फिर 78 साल की उम्र में उन्होंने अपने एकल उद्घाटन उड़ान को इसलिए दोहराया, ताकि युवा पीढ़ी में साहस की भावना आ सके।

टाटा समूह की तरक्की

अपने परिवार का व्यवसाय संभालने के लिए जेआरडी टाटा को साल 1924 में मुंबई बुलाया गया था। जहां पर उन्होंने बाम्बे हाउस में टाटा स्टील के प्रभावरी निदेशक जॉन पीटरसन अधीन काम किया। इसके दो साल बाद ही वह टाटा सन्स के निदेशक बने और साल 1991 में वह चेयरमैन बन गए। इस दौरान उन्होंने टाटा समूह को 14 कंपनियों से 90 कंपनियों का मालिक बना दिया।

पुरस्कार

साल 1955 में भारत सरकार ने जेआरडी टाटा को पद्म विभूषण से सम्मानित किया और साल 1992 में उनको भारत रत्न से नवाजा गया।

मृत्यु

स्विट्जरलैंड में 29 नवंबर 1993 को गुर्दे में संक्रमण के कारण 89 वर्ष की आयु में जेआरडी टाटा का निधन हो गया था।

Created by Universal Document Converter

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार मे चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नही रहेगा। अगले साल पश्चिम बगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यो मे विधानसभा चुनाव होने है। सिर्फ असम मे भाजपा सरकार है। शेष राज्यो मे विपक्षी दलो की सरकारे है। वे अभी से चौकन्नी हो गई है और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती है।

वास्तव मे विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियो को गुमराह कर रहा है। सडक से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार मे एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियो ने भी अपने बूथ लेवल एजेट यानी बीएलए को बढ़–चढ़कर काम मे लगाया था। चुनाव आयोग के आकडो के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया मे शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियो ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत मे दिलचस्पी नही दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियो ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार मे 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलो के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरत अपना विरोध कर सकते है, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नही आया है जहा विपक्षी दलो के कार्यकर्ताओ ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे है। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक ओर देशवासियो को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओ की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वही दूसरी और कानून प्रक्रियाओ मे बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है।

बिहार ही नही देशभर मे फर्जी और अयोग्य मतदाताओ को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे है। चुनाव आयोग के आकड़ो के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया मे कवर हो चुके है। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण मे बिहार मे कम से कम 61 लाख मतदाताओ के नाम कट सकते है। इसमे 21.6 लाख मतदाताओ का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानो–शहरो मे बस गए है। है। लगभग सात लाख मतदाताओ के नाम दो स्थानो की मतदाता सूची मे दर्ज है।

बिहार मे विधानसभा की 243 सीटे है। विधानसभाओ मे कुछ सौ मतदाताओ का अतर ही जीत–हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावो मे करीब बीस प्रतिशत सीटो पर जीत और हार का अतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमे से 17 सीटो पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण मे इन मतदाताओ के नाम नही काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजो को बदला जा सकता है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे है। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नही है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू–कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यो मे अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी सगठनो ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलो ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहा चुनाव हुए और उन सभी लोगो ने चुनाव मे हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की।

लोकसभा मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गाधी बिहार मे मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल मे उठा रहे है। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर वोटो की चोरी का आरोप लगा रहे है। वोटिंग मे गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गाधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे है। राहुल गाधी महाराष्ट्र और कर्नाटक मे वोटिंग मे गड़बड़ी के आरोप लगा रहे है, लेकिन बाकी चुनावो के मामले चुप्पी साध लेते है।

राहुल गाधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणिया कर रहे है। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे है। असल मे राहुल गाधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव मे लेना चाहते है। पश्चिम बगाल की मुख्यमत्री ममता बनर्जी खुले मच से यह घोषणा कर चुकी है कि वे बगाल मे एसआईआर नही होने देगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे है। ये वही लोग है जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, सविधान की रक्षा और सविधान की कॉपिया लेकर देशभर मे घूमते थे। और भाजपा पर सविधान विरोधी होने और सविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है।

2024 के लोकसभा चुनाव मे विपक्ष ने भाजपा के सत्ता मे आने के बाद सविधान बदलने का खतरा होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगो के बीच वोट खोने का डर और चुनाव मे गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है। इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ–साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगो के मन मे भी अपना वोट खोने का डर पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस–राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी रणनीति पर काम करते हुए दिखाई दे रहे है।

चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओ, मृतको और एक ही व्यक्ति के दो स्थानो पर मतदाता सूची मे शामिल होने वाले मतदाताओ का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे मे एसआईआर का विरोध पूरी तरह से आर्तिक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी ड्यूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव मे, मतदाता सूची पर विपक्ष का हगामा केवल राजनीतिक स्टट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खीचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावो मे अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे है। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

रक्षा में आत्मनिर्भरता के बढ़ते कदमों से बढ़ती सैन्य–ताकत

ललित गर्ग

ऑपरेशन सिदूर की शानदार कामयाबी, पाकिस्तान को करारी चोट पहुचाने, विश्व को भारत की सैन्य ताकत दिखाने और अपने सैनिको के अद्भुत पराक्रम के प्रदर्शन की गौरवपूर्ण स्थितियो के बीच एक बड़ी खुशखबरी है कि भारत सरकार ने पाचवी पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान (एडवास्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मजूरी देते हुए इस परियोजना पर आगे बढ़ने को हरी झडी दिखा दी है। निश्चित ही इस फैसले से दुनिया की महाशक्तियां चौंकी है, वही यह भारतवासियों के लिये एक नई आशा एव सभावनाभरी खुशखबरी है। क्योंकि दुनिया की महाशक्ति बनने के लिये सैन्य साजो–सामान की दृष्टि से आत्म निर्भर होना प्रथम प्राथमिकता है। दुनिया पर वर्चस्व स्थापित करने का यह सबसे बड़ा आधार है कि हम सैन्य साजो सामान मे स्वावलम्बी ही नही, निर्यातक बने। क्योंकि उन्हें दूसरे देशों से खरीदने में विदेशी पूजी का व्यय होने के साथ कई तरह के दबावों का भी सामना करना पड़ता है। दूसरे देश अपनी शर्तों पर ये हमे उपलब्ध कराते है, अर्थ का व्यय भी स्वदेशी उत्पादन की तुलना मे बहुत ज्यादा करना पड़ता है। जबसे रक्षा सामग्री के निर्माण मे निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई गई है, तब से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ा है। रक्षा मत्रालय के ताजा फैसले के बाद सरकारी और निजी क्षेत्र की कपनियों के शेयर जिस तरह उछले, उससे यही पता चलता है कि देश रक्षा क्षेत्र मे आत्मनिर्भर होने के लिए नई दिशाओ को उद्घाटित कर रहा है।

निश्चित ही पाचवी पीढ़ी के उन्नत लड़ाकू विमानो का देश मे ही निर्माण करने और उसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लेने की रक्षा मत्री राजनाथ सिह की घोषणा एक ऐसा फैसला है, जो दूरगामी एव देशहित का सराहनीय कदम है। ऐसे फैसलो मे बिना विलम्ब के प्रोत्साहन एव सहयोग होना चाहिए। हमें निश्चित करना चाहिए कि आधुनिक लड़ाकू विमानो के निर्माण तय समय में हो, इसके लिए हरसभव उपाय किए जाने चाहिए। ऐसे फैसलो से भारत की ताकत बढ़ती है, दुनिया की अधीनता कमतर होती है। गौरतलब है, अभी तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही पाचवी पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में सफलता हासिल की है। इस योजना के जरिये दुनिया को यह सदेश देना है कि भारत अब पाचवी पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीदने की बजाय खुद बनाने का काम करेगा। इस स्वदेशी विमान के डिजाइन और विकास के लिए सुरक्षा मामलो की कैबिनेट समिति ने हाल ही में पन्द्रह हजार करोड़ रुपये की राशि मजूर की थी। अब रक्षा अनुसधान एव विकास सगठन (डीआरडीओ) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेगी और डीआरडीओ के मुखिया की मानें, तो अगले एक दशक मे यह लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना के बेड़े का हिस्सा होगा। निस्सदेह, हमारे रक्षा वैज्ञानिकों की सराहना की जानी चाहिए कि उनके अथक परिश्रम, तकनीकी कौशल और मेधा के कारण देश जल्द ही सुरक्षा साजो–सामान के मामले मे भी आत्म–निर्भर बन जाएगा। इन स्थितियों के लिये जहां रक्षामत्री राजनाथ सिह की सराहना होनी चाहिए वही प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का लोहा मानना चाहिए।

मौजूदा समय मे भारत लड़ाकू विमान के मामले मे दूसरे देशों पर निर्भर है। सरकार ने इस दिशा मे भी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले से घरेलू एयरोस्पेस इंडस्ट्री को सशक्त बनाने मे मदद मिलेगी। पर पूरी तरह निर्भर नही रह सकता। विदेशी लड़ाकू विमानो या हथियारों की खरीद मे उनके तकनीकी हस्तातरण को लेकर कई तरह की पेचीदगिया पेश आती है। कई देश उन्नत रक्षा उपकरण तो दे देते है, लेकिन उनकी तकनीक नही देते या फिर उनके कलपुर्जे देने मे देरी करते है। इसकी अनदेखी नही की जा सकती कि पर्याप्त सख्या मे तेजस लड़ाकू विमान बनाने मे इसलिए विलब हो रहा है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए इजन देने मे आनाकानी कर रहा है। इसलिए एचएएल, डीआरडीओ की स्थापना की जरूरत मससूस की गई थी और आज इनके बनाए हथियार न सिर्फ हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन रहे है, बल्कि इस वजह से हमारा एएमसीए का विकास भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करने और देश की रक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। पडोसी देशों की हरकतों, युद्ध की सभावनाओ एव षड्यंत्रो को देखते हुए आने वाले समय में होने वाले युद्ध मे वायुसेना की क्षमता और तकनीक को अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा है। भारत हमेशा से एक शातिकामी मुल्क रहा है, मगर अपनी सरहदों व विशाल आबादी की सुरक्षा के लिए वह दूसरे देशों के हथियारों या सुरक्षा उपकरणों पर निर्भर नही रह सकता।

20 फीसदी से भी अधिक सैन्य आयात कम हुआ है। आज हम अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुनिया को बेचने की स्थिति में हैं।

मौजूदा समय में लड़ाकू विमान के लिए भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों और रूस पर निर्भर है। देश मे लड़ाकू विमानो की कमी भी है। ऐसे मे सरकार स्वदेशी निर्मित आधुनिक लड़ाकू विमान के निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा मे कदम उठाकर सूझबूझ एव दूरगामी सोच का परिचय दिया है। आज जब युद्ध के तौर–तरीके बदल रहे है, तब भारत को हर तरह की रक्षा सामग्री स्वदेश मे ही बनाने मे इसलिए सक्षम होना होगा, क्योकि ऐसा करके ही वह सच्चे अर्थों मे महाशक्ति बन सकता है। प्रारभ मे विदेशी कपनियो का सहयोग लेने मे हर्ज नही, क्योकि ऐसा करके ही तेजी के साथ उन्नत रक्षा समग्री का निर्माण किया जा सकता है। भारत आधुनिक रक्षा उपकरण एवं तकनीक का निर्माण करने मे सक्षम है, इसे ऑपरेशन सिदूर ने साबित भी कर दिया। हमारे रक्षा उपकरणो और तकनीक ने जिस तरह तुर्किये के ड्रोन की हवा निकालने के साथ चीनी एयर डिफेंस की पोल खोल दी, उसे विश्व भर के रक्षा विशेषज्ञ भी मान रहे हैं। रूस के सहयोग से बनी ब्रह्मोस मिसाइल और स्वदेशी तकनीक पर आधारित आकाश ने सिद्ध किया कि हमारे रक्षा विज्ञानी किसी से कम नही। उन्हें भरपूर प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

भारत की रक्षा सेना दुनिया मे सबसे शक्तिशाली और सम्मानित सेनाओ मे से एक है, जो अपने आकार, ताकत और उन्नत तकनीक के साथ वैश्विक मच पर धूम मचा रही है। चाहे सीमाओं पर गश्त करना हो, आसमान की सुरक्षा करनी हो या विशाल हिद महासागर को सुरक्षित रखना हो, भारत की सेना एक ऐसी ताकत है जिसका लोहा माना जाना चाहिए। भारत का लक्ष्य सिर्फ वैश्विक सैन्य शक्तियों के साथ बने रहनामर नही है–यह उनके साथ है बल्कि अब उससे आगे भी आना है। किसी भी युद्ध या सघर्ष मे वायु सेना की भूमिका निर्णायक हो चली है। हमास–इजरायल जग हो या रूस–यूक्रेन लड़ाई, इस तथ्य को पूरी दुनिया स्वीकारती है। ऑपरेशन सिदूर के जरिये हमारी वायु सेना ने भी दिखा दिया है कि किस सटीकता से शत्रुओं के लक्ष्य को मटियामेट करने मे वह सक्षम है। ऐसे मे भारतीय वायु सेना की जरूरतों पर गभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान मे, भारत दुनिया मे चौथे स्थान पर है, जो केवल सयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन से पीछे है। यह स्थान इसके उन्नत विमान, बेहतर प्रशिक्षण और रणनीतिक महत्व के संयोजन के कारण अर्जित किया गया है। बहुमुखी राफेल जेट से लेकर शक्तिशाली सुखोई अपने रास्ते मे आने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुसज्जित है। निश्चित ही भारत ने एक ऐसा सैन्य बल बनाया है जो ध्यान आकर्षित करता है, जिसमें विशाल जनशक्ति, अत्याधुनिक तकनीक और गहन रणनीतिक फोकस का सतुलन है। यह अब सिर्फ एक क्षेत्रीय खिलाड़ी नही हैय भारत खुद को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप मे स्थापित कर रहा है। भारतीय वायुसेना के पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों मे से है, जो न केवल हार्डवेयर बल्कि मानवीय तत्व के कारण हवाई प्रभुत्व बनाते है। चाहे वह सीमाओ पर खतरों का जवाब देना हो या हवाई श्रेष्ठता सुनिश्चित करना हो, भारत की वायु सेना अपनी रक्षा रणनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो हमेशा आसमान की रक्षा के लिए तैयार रहती है।

Created by Universal Document Converter

माननीय प्रधानमंत्री ने रखी पावरग्रिड की ट्रांसमिशन प्रणाली की आधारशिला

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 27 जुलाई, 2025 को तमिलनाडु के तूतीकोरिन में आयोजित एक समारोह में कुडनकुलम यूनिट–3 और 4 (2x1000 मेगावाट) बिजली संयंत्र से बिजली की निकासी के लिए भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत 'महारत्न' सीपीएसई, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) द्वारा निर्मित किए जा रहे ट्रांसमिशन सिस्टम की आधारशिला रखी। अंतर–राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) परियोजना के तहत पावरग्रिड कुडनकुलम ट्रांसमिशन लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित की जा रही इस योजना में 400 केवी डी.सी (क्वाड) कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र (3 और 4) – तूतीको. रिन–2 जीआईएस पीएस ट्रांसमिशन लाइन और तूतीक. ोरिन–2 जीआईएस में दो 400 केवी जीआईएस लाइन

टर्मिनल उपकरणों का निर्माण शामिल है।

समारोह के दौरान श्री आर. एन. रवि, माननीय राज्यपाल, तमिलनाडु, श्री राममोहन नायडू किंजरापु, माननीय केंद्रीय नागर विमानन मंत्री, डॉ. एल. मुरुगन, माननीय केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री, श्री थंगम थेनारासु, माननीय कृषि मंत्री, तमिलनाडु, श्रीमती पी. गीता जीवन, माननीय समाज कल्याण और महिला सश. क्तिकरण मंत्री, तमिलनाडु, श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि, माननीय सांसदतथा केंद्र एवं राज्य सरकार और पावरग्रिड के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

यह परियोजना तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और पुडुचेरी सहित लाभार्थी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 2 गीगावाट स्वच्छ और विश्वसनीय परमाणु ऊर्जा की आपूर्ति में मदद करेगी, ताकि क्षेत्र की बढ़ती ऊर्जा माँगों को पूरा किया जा सके। यह पारेषण अवसंरचना 2030 तक 500 गीगावाट गैर–जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का भी समर्थन करती है, जो देश के एनर्जी ट्रांजिशन, सुरक्षा और हरित भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

30 जून 2025 तक पावरग्रिड द्वारा 1,80,533 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों, 284 उप–केंद्रों और 5,66,831 एमवीए की ट्रांफॉर्मेशन क्षमता को कमीशन कर संचालित किया जा रहा है। नवीनतम तकनीकी उपकरणों व तकनीकों को अपनाने तथा स्वचालन और डिजिटल समाधानों के उन्नत उपयोग से पावरग्रिड 99.84 प्रतिशत से अधिक की औसत ट्रांसमिशन सिस्टम उपलब्धता बनाए रखने में सक्षम रहा है।

सलमेह पुल की समस्या को लेकर लोगों ने प्रशासन के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन

तहसीलदार व थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को आश्वासन देकर किया शांत

उधमपुर। सलमेह पुल की समस्या हल नहीं होने से लोगों को पेश आ रही परेशानी को लेकर मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों के लोगों द्वारा सलमेह पुल बंद कर प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय निवासी शिव राम ने बताया कि गत तीन वर्षों से सलमेह पुल को अनसेफ किया हुआ है तथा गाड़ियों को गुजरने नहीं दिया जाता है। जिस कारण लोगों को दो–दो गाडियां बदल कर उधमपुर आना जाना पड़ता है। वहीं जहां पर कुछ ऑटो अपनी सर्विस दे रहे थे तथा वह सवारियों को उधमपुर ला तथा ले जा रहे थे लेकिन गत दिन एआरटीओ द्वारा चार पहिया वाले ऑटो के परमिट को फाड़ दिया गया तथा उनका परमिट जखैनी से बनाया गया। उनका कहना था कि उनकी वजह से उनके स्कूल पढ़ने वाले बच्चे दरबदर हो रहे हैं। जो बीमार हैं वह अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रहा है। उनका कहना था कि गत दिन तो उनके बच्चे पूरा दिन दरबदर होते रहे तथा शाम को वह सात बजे घर पहुंचे, जिससे लोगों में काफी नाराजगी।

शिव राम का कहना था कि विधायक से मिलने पर उनका कहना था कि इसके लिए पैसा आ गया था जल्द ही पुल का निर्माण प्रारंभ कर दिया जाएगा लेकिन अभी तक इसके लिए कुछ नहीं किया जा रहा है। ढ

उन्होंने इस मसले को लेकर सांसद को भी आड़े हाथ लिया तथा कहा कि वह तीन बार यहां से जीत कर संसद में पहुंचे हैं लेकिन उनके मसले को हल करने के लिए कुछ नहीं किया गया।

वहीं प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही तहसीलदार जय सिंह थाना प्रभारी के साथ मौके पर पहुंचे तथा उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द ही इस पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। तहसीलदार ने बताया कि उनकी बात पीडब्ल्यूडी के एक्सीयन से हुई है तथा उनका कहना था कि इसको लेकर औपचारिकताएं लगभग पूरी हो चुकी हैं तथा इसको मंजूर होने के लिए कैबिनेट में भेजा जाएगा तथा उसके उपरांत यह कार्य प्रारंभ हो जाएगा। वहीं उन्होंने तवी नदी के बीच से गुजरने वाली गाडियों के बारे में कहा कि थाना प्रभारी इस पर नजर रखेंगे तथा किसी को इस तरह से गुजरने नहीं दिया जाएगा।

गौर रहे कि लगभग तीन वर्ष पहले सलमेह पुल को अनसेफ घोषित किया गया था तथा किसी भी बड़ी गाड़ी को इस पुल से गुजरने की इजाजत नहीं दी जा रही है। पुल के बंद होने से लगभग 7 से 8 गांवा. की लगभग 70 से 80 हजार की आबादी प्रभावित है। लोगा. को दो–दो गाड़ियां बदलकर उधमपुर पहुंचना पड़ता है। वहीं पिछले कुछ माह से तीन चार ऑटो सवारियों को ला तथा ले जा रहे थे। जबकि मेटाडोरों व बस चालकों द्वारा कुछ माह से तवी नदी के बीच से गुजरना शुरू कर दिया था जिससे लोगों को सुविधा तो मिल रही थी लेकिन यह यात्रा जोखिम भरी है।

मुख्य सचिव ने 'संपूर्णता सम्मान' पुरस्कारों की तैयारियों की समीक्षा की

सरकारी क्षेत्र में उत.ष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया जाएगा

संवाददाता

श्रीनगर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आगामी केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय 'संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह' की तैयारियों की समीक्षा हेतु योजना विभाग की एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

यह कार्यक्रम उन जिलों और प्रखंडों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है जिन्होंने राष्ट्रव्यापी संपूर्णता अभियान के तहत संतृप्ति प्राप्त करने में असाधारण प्रदर्शन किया है।

बैठक में योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. आशीष चंद्र वर्मा, महानिदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी, निद. ेशक, योजना और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आकांक्षी जिलों के उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने कार्यक्रम के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किए जा रहे जिला स्तरीय सम्मान समारोहों की तैयारियों का भी जायजा लिया। उन्होंने उपायुक्तों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, उनकी प्रगति की समीक्षा की और उन्हें इन आयोजनों की उचित व्यवस्था और गरिमापूर्ण संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अटल डुल्लू ने आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रमों के तहत जिलों और ब्लॉकों के समग्र प्रदर्शन की भी समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग, प्रमुख संकेतक संतृप्ति की स्थिति का आकलन किया और प्रशासनिक तंत्र के उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रगति और केंद्रित हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया।

तीन महीने के संपूर्णता अभियान (4 जुलाई–30 सितंबर, 2024) के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए, मुख्य सचिव ने अधिकारियों और क्षेत्रीय टीमों के प्रयासों की सराहना की। नीति आयोग द्वारा शुरू किया गया यह अभियान

स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, .षि, बुनियादी ढाँचे और आजीविका जैसे छह महत्वपूर्ण संकेतकों में 100 प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करने पर केंद्रित था।

विस्तृत जानकारी देते हुए, डॉ. आशीष चंद्र वर्मा ने बताया कि जम्मू–कश्मीर के दोनों आकांक्षी ज़िलों, बारामूला और कुपवाड़ा ने सभी छह प्रमुख संकेतकों में संतृप्ति हासिल कर ली है। प्रदर्शन के आधार पर, बारामूला, कुपवाड़ा, बांद. ीपोरा, कुलगाम और रियासी सहित सभी छह संकेतकों में संतृप्ति हासिल करने वाले आकांक्षी ज़िलों के डीडीसी को स्वर्ण पदक के रूप में मान्यता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, पाँच संकेतकों में संतृप्ति हासिल करने वाले पुलवामा, रामबन और किश्तवाड़ ज़िलों के डीडीसी को रजत पदक और तीन संक. ेतकों में संतृप्ति हासिल करने वाले राजौरी ज़िले के डीडीसी को ताम्र पदक देने का प्रस्ताव किया गया है।

आकांक्षी ब्लॉकों में, तुलैल, सिंहपोरा, मंज़गाम, केरन और ठाकराकोट ने पूर्ण संतृप्ति हासिल कर ली है। तीन अन्य मारवा, खाड़ी और इचेगोज़ा ने पाँच संकेतकों में संतृप्ति हासिल कर ली है, जबकि ख्वास ने तीन में संतृप्ति हासिल कर ली है।

प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार भी दर्ज किया गया। इचेगोज़ा (पुलवामा) ने अपने समग्र स्कोर में +9.13 अंकों का सुधार किया और मार्च 2025 में रैंक 2 पर पहुँच गया। तुलैल (बांदीपोरा) ने +6.66 अंकों की वृद्धि के साथ 68.90 अंकों के साथ रैंक 8 हासिल की। इस अभियान ने 44 चिन्हित पिछड़े ब्लॉकों के लगभग 12.64 लाख लोगों (लगभग 10.3 प्रतिशत जनसंख्या) पर सकारात्मक प्रभाव डाला, जिससे .षि, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल आपूर्ति, सिंचाई और बिजली के बुनियादी ढाँचे जैसे क्षेत्रों में प्रगति हुई।

इन उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए, संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिला विकास आयुक्तों, ब्लॉक–स्तरीय अधिकारियों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा।

इस आयोजन के सफल आयोजन के लिए, नीति आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले समारोह के लिए 10 लाख रुपये और जिला स्तरीय सम्मान समारोह के आयोजन हेतु प्रत्येक जिले को 5 लाख रुपये की राशि स्वी.त की है।

इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण "आकांक्षा हाट" का शुभारंभ होगा, जो स्थानीय नवाचार और उद्यमिता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से एक सप्ताह तक चलने वाली पहल है। नीति आयोग ने देश के आकांक्षी जिलों में इस पहल को समर्थन देने के लिए प्रत्येक जिले को 5 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि प्रदान की है।

Printer, Publisher, Owner, Editor by: Sanktha Prasad Singh Published from: GH Road Skara, Near Ladakh Public School, Leh (Ladakh) - 194104, Published from: Ladakh Imperial Printing press, Gh Skara, Near Ladakh Public School, Leh Ladakh, 194104, Mob.: Mob.: 9818069272, 8287390112, Email: ladakhtoday@gmail.com
**All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent courts and forums in Leh - city.

Created by Universal Document Converter